सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दलीप ट्रॉफी में खेलेंगे शुभमन गिल,उत्तर क्षेत्र की कप्तानी मिली..... -पेज: 7

तमन्ना भाटिया ने बताया एडल्ट फ्रेंडशिप इसलिए सबसे अच्छी होती है -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 120 | शुक्रवार 08 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

फर्जी तरीके से वोटिंग हो रही, चुनाव नतीजों पर राहुल गांधी ने जताया संदेह, बोले- एग्जिट पोल कुछ और नतीजे कुछ ...

राहुल ने कहा कि इसमें हमारा अपना आंतरिक सर्वेक्षण भी शामिल है, जो काफी परिष्कृत है। तो, सर्वेक्षण हमें कुछ दिखा रहे थे, जनमत सर्वेक्षण हमें कुछ दिखा रहे थे, नियमित सर्वेक्षण हमें कुछ दिखा रहे थे, और अचानक हमें पता चल रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस बिहार में एसआईआर को लेकर लगातार सवाल उठा रही है। इसी कड़ी में आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सत्ता-विरोधी भावना हर लोकतंत्र में हर पार्टी को प्रभावित करती है। लेकिन किसी न किसी वजह से, लोकतांत्रिक ढाँचे में भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो मूल रूप से इस सत्ता-विरोधी भावना से ग्रस्त नहीं है। उन्होंने कहा कि एग्ज़िट पोल, ओपिनियन पोल कुछ कहते हैं, जैसा आपने हरियाणा चुनाव में देखा, मध्य प्रदेश चुनाव में देखा, और फिर अचानक नतीजे पूरी तरह से अलग दिशा में चले जाते हैं, और भारी उलटफेर होते हैं। राहुल ने कहा कि इसमें हमारा अपना आंतरिक सर्वेक्षण भी शामिल है, जो काफी परिष्कृत है। तो, सर्वेक्षण हमें कुछ दिखा रहे थे, जनमत सर्वेक्षण हमें कुछ दिखा रहे थे, नियमित सर्वेक्षण हमें कुछ दिखा रहे थे, और अचानक हमें पता चल रहा है कि नतीजे उलटे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान की नींव इस तथ्य पर टिकी है कि एक व्यक्ति को एक वोट मिलता है। इसलिए, जब हम चुनाव की योजना बना रहे होते हैं, तो सबसे जरूरी बात यह होती है कि एक व्यक्ति, एक वोट का विचार कितना सुरक्षित है। क्या सही लोगों को वोट देने की अनुमति मिल रही है? क्या मतदाता सूची में फजी लोगों के नाम जोड़े जा रहे हैं? क्या मतदाता सूची सही है? कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले कुछ समय से, जनता के बीच कुछ बातों को लेकर संदेह बना हुआ है। सत्ता-विरोधी भावना हर लोकतंत्र में हर पार्टी को प्रभावित करती है। किसी न किसी वजह से, भाजपा ही लोकतांत्रिक ढाँचे में एकमात्र ऐसी पार्टी लगती है जो सत्ता-विरोधी भावना से प्रभावित नहीं होती। उन्होंने कहा कि लाखों भारतीय सशंकित थे। भाजपा 'जादुई' तरीके से सत्ता विरोधी लहर से अछूती रही। भाजपा की भारी और अप्रत्याशित जीत का अंतर। जनमत और एग्जिट पोल बिल्कुल गलत। मीडिया द्वारा 'माहौल' निर्माण का आयोजन। चुनावी कार्यक्रम की योजना बनाई गई। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि वोटर लिस्ट पर चुनाव आयोग जवाब दे। उन्होंने कहा कि अब चुनाव की प्रक्रिया महीनों चलती है। वोटिंग के सीसीटीवी फुटेज डिलीट किए गए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली हुई। महाराष्ट्र में 40 लाख संदिग्ध वोटर, फेक वोटर्स कहां से आ रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि एग्जिट पोल कुछ और नतीजे कुछ और...ऐसे कैसे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में, 5 महीनों में 5 वर्षों की तुलना में अधिक मतदाताओं के जुड़ने से हमारा संदेह बढ़ गया और फिर शाम 5 बजे के बाद मतदाता मतदान में भारी उछाल आया। विधानसभा में हमारा गठबंधन साफ हो गया और लोकसभा में हमारा गठबंधन भारी पड़ गया। बहुत ही संदिग्ध। विपक्ष के नेता ने कहा कि हमने पाया कि लोकसभा और विधानसभा के बीच एक करोड़ नए मतदाता खेल में शामिल हुए। हम चुनाव आयोग गए और यह लेख लिखा, और हमारे तर्क का सार यह था कि महाराष्ट्र का चुनाव चुराया गया था। समस्या का सार क्या है? मतदाता सूची इस देश की संपत्ति है। चुनाव आयोग हमें मतदाता सूची देने से इनकार करता है... और फिर उन्होंने कुछ बहुत ही दिलचस्प किया। उन्होंने कहा कि हम सीसीटीवी फुटेज नष्ट करने जा रहे हैं। यह हमारे लिए आश्चर्यजनक था क्योंकि महाराष्ट्र में संख्याओं को जोड़ने के लिए

कमज़ोर प्रधानमंत्री साबित हो रहे हैं मोदी: अशोक गहलोत

नई दिल्ली (एजेंसी): राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कमजोर प्रधानमंत्री साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के शासन में भारत चौतरफा घिर रहा है। गहलोत ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में भारत चौतरफा घिर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत के खिलाफ अनर्गल बोल रहे हैं। ट्रंप अब तक 30 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का दावा कर चुके हैं। अब वह भारत के व्यापारिक हितों के खिलाफ फैसले कर रहे हैं उन्होंने कहा इस सबके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार भी उनका नाम लेकर बयान नहीं दे सके हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, चीन और पाकिस्तान अब खुलकर भारत के खिलाफ हो गए हैं। हमारी सेनाओं ने मजबूती से उनको मुंहतोड़ जवाब दिया परन्तु राजनीतिक एवं राजनयिक मोर्चे पर भारत अकेला पड़ गया। यह मोदी की असफलता है। गहलोत ने लिखा, ह्नमोदी संसद में भी स्पष्ट जवाब देने की बजाय बातें घुमाते दिखे। उनकी सरकार देश हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संसद में बहस तक नहीं कर पा रही है।

हमारी नागरिकता छीनने की कोशिश कर रही डबल इंजन सरकार, एसआईआर को लेकर ममता बनर्जी का वार

पश्चिम बंगाल (एजेंसी): पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की भाजपा की माँग के बाद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को डबल इंजन वाली सरकार पर राज्य के लोगों की नागरिकता छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया। झारग्राम में जनता को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि मैं सोच रही हूँ, क्या हम वाकई आजाद हैं? मुझे उम्मीद है कि हमारी नागरिकता नहीं छीनी जाएगी। कृपया हमें इससे वंचित न करें। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 'डबल इंजन वाली सरकार' नागरिकों को रोहिंग्या बताकर उन्हें हिरासत में लेने और उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने की कोशिश कर रही है। उन्होंने जन कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय बार-बार अदालत जाने के लिए भाजपा की भी आलोचना की। बनर्जी ने कहा कि डबल इंजन वाली सरकार हमारी नागरिकता छीनने, हमें रोहिंग्या कहकर हिरासत में लेने और हमें वापस बांग्लादेश भेजने की कोशिश कर रही है। भाजपा हमेशा अदालत जाती है। मेरे पास 1912 का एक दस रुपये का नोट है, और वह बंगाली में लिखा है। फिर भी वे दावा करते हैं कि बंगाली भाषा है ही नहीं। इससे पहले, भाजपा सांसद और बंगाल प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बंगाल की मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्हें लगता है कि वे अवैध वोटों की मदद से जीत जाएँगी, तो यह उनकी गलतफहमी है। भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने एएनआई से कहा कि उन्हें विरोध करने दीजिए। ममता बनर्जी की मांग है कि मरने वालों के नाम क्यों हटाए जाएँ। अगर उन्हें लगता है कि बांग्लादेशियों, जिहादियों, रोहिंग्याओं, अवैध प्रवासियों और अवैध मतदाताओं की मदद से वह चौथी बार सत्ता में आ सकती हैं, तो उनकी यह गलतफहमी है। उन्होंने आगे कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर मुख्यमंत्री की आपत्तियाँ संवैधानिक संस्थाओं पर हमला है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की जनता एक संवैधानिक संस्था पर इस तरह के हमले को कैसे बर्दाश्त करेगी? ममता बनर्जी को जो भी कहना है, उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाकर बताना चाहिए... यह सरकार इस बार जाएगी। एक दिन पहले, ममता बनर्जी ने झारग्राम में एक विरोध मार्च निकाला और भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के उत्पीड़न का आरोप लगाया।

भारत को भी अमेरिका पर लगाना चाहिए 50% टैरिफ, हमें कोई भी. ट्रंप को शशि थरूर की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर आयात शुल्क (टैरिफ) बढ़ाने का बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप प्रशासन ने पहले भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया गया है। इस कदम के बाद भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों में तनाव की स्थिति बन गई है। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने ट्रंप के इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। शशि थरूर का ट्रंप को करारा जवाब कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्रंप के फैसले पर पलटवार करते हुए कहा, "अगर अमेरिका हम पर 50 फीसदी टैरिफ लगाता है तो हमें भी उनके निर्यात पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना चाहिए। सिर्फ ट्रेड के चक्कर में रिश्तों को क्यों खराब किया जा रहा है? भारत की तरफ से रिश्ते नहीं बिगड़ रहे, बल्कि अमेरिका की ओर से हो रहा है।" भारतवासी अमेरिका में उठाएं आवाज थरूर थरूर ने सवाल उठाया कि क्या अमेरिका हमारे रिश्तों की कोई अहमियत नहीं रखता? और अगर ऐसा है तो भारत को भी उसी के मुताबिक जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि "भारत और अमेरिका के बीच 90 बिलियन डॉलर का व्यापार होता है। अगर हर चीज पर 50 प्रतिशत शुल्क लग जाएगा तो भारतीय सामान खरीदने वाले भी सोचेंगे कि इतनी महंगी चीज क्यों लें। इससे हमारे व्यापार पर सीधा असर पड़ेगा।" थरूर ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत को अमेरिकी निर्यात पर समान रूप से टैरिफ लगाना चाहिए। "ऐसा नहीं है कि कोई भी देश भारत को यूं धमकी दे सके। हमें अपने हितों की रक्षा करनी होगी," उन्होंने कहा। भारत का विदेश मंत्रालय भी नाराज अमेरिका के इस फैसले पर भारत के विदेश मंत्रालय ने भी कड़ी आपत्ति जताई है। मंत्रालय ने इसे "अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण" बताया है और कहा है कि "अमेरिका ने जिन कदमों के लिए भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, वही कदम कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हितों में उठा रहे हैं।" भारत ने अमेरिकी निर्णय को "अनुचित, अन्यायपूर्ण और अव्यवहारिक" करार दिया है और स्पष्ट किया है कि देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए आवश्यक सभी कदम उठाएगा। गौरतलब है कि अमेरिका ने पहले 1 अगस्त से टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 7 अगस्त से लागू करने का फैसला किया गया।

'मुझे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं तैयार हूं', ट्रंप टैरिफ पर पीएम मोदी का आया पहला रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के एलान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज पहला रिएक्शन आया है। पीएम मोदी ने परोक्ष रूप से कहा कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। एमएस स्वामीनाथन पर बोले पीएम एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रो. स्वामीनाथन के साथ मेरा जुड़ाव कई वर्षों पुराना है। बहुत से लोग गुजरात के शुरूआती हालातों से वाकिफ हैं। पहले सूखे और चक्रवातों के कारण कृषि को काफी संकट का सामना करना पड़ता था और कच्छ में रेगिस्तान का विस्तार हो रहा था। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब हमने मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर काम शुरू किया था। तब प्रो. स्वामीनाथन ने इसमें काफी रुचि दिखाई, उन्होंने खुलकर हमें सुझाव दिए और हमारा मार्गदर्शन किया। उनके योगदान के कारण, इस पहल को जबरदस्त सफलता मिली। भारत माता के सच्चे सपूत थे एमएस स्वामीनाथन पीएम ने आगे कहा, कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका योगदान किसी एक युग या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं होता। प्रो. एमएस स्वामीनाथन ऐसे ही एक महान वैज्ञानिक थे, भारत माता के सच्चे सपूत। उन्होंने विज्ञान को जनसेवा का माध्यम बनाया। उन्होंने देश की खाद्य सुरक्षा को अपने जीवन का ध्येय बनाया। उन्होंने एक ऐसी चेतना जागृत की जो आने वाली कई शताब्दियों तक भारत की नीतियों और प्राथमिकताओं का मार्गदर्शन करती रहेगी।

'अमेरिका की धुन पर नाच रहे हैं पीएम मोदी', ट्रंप के टैरिफ को लेकर तेजस्वी यादव का तंज

पटना (एजेंसी): अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बीच, राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। यादव ने इस मुद्दे पर मोदी की चुप्पी की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री कमजोर हो गए हैं। उन्होंने उन पर अमेरिका के इशारों पर नाचने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए, राजद नेता ने कहा कि आप सभी देख रहे हैं कि इस देश में सरकार कैसे काम कर रही है। ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया। ट्रंप 28 बार कह चुके हैं कि उन्होंने युद्धविराम कराया। प्रधानमंत्री ने अभी तक अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। मोदी पर तंज कसते हुए राजद नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अभी तक यह नहीं कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री इतने कमजोर हो गए हैं कि अमेरिका के इशारों पर नाच रहे हैं। 50 प्रतिशत टैरिफ से देश को बहुत नुकसान होगा, और कोई इस पर बोल नहीं रहा है। सब चुप हैं। ये लोग देश को नुकसान पहुँचाएँगे और फिर बिहार जाकर कहेंगे, 'देखो, हम विश्वगुरु बन गए हैं। 6 अगस्त को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ट्रंप ने इस वृद्धि के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति संबंधी चिंताओं के साथ-साथ अन्य प्रासंगिक व्यापार कानूनों का हवाला दिया और दावा किया कि भारत द्वारा रूसी तेल का आयात, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक "असामान्य और असाधारण खतरा" है। इस आदेश के बाद, भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा। प्रारंभिक शुल्क 7 अगस्त से प्रभावी होगा, जबकि अतिरिक्त शुल्क 21 दिनों के बाद लागू होगा और अमेरिका में आयातित सभी भारतीय वस्तुओं पर लगाया जाएगा, सिवाय उन वस्तुओं के जो पहले से ही पारगमन में हैं या विशिष्ट छूट प्राप्त हैं। इसके अलावा, यादव ने कथित डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों के संबंध में चुनाव आयोग से मिले नोटिस पर कहा कि उन्हें आयोग से कोई नोटिस नहीं मिला है। उन्होंने आगे कहा कि अगर दो ईपीआईसी नंबर जारी किए जाते हैं, तो यह जारी करने वाले प्राधिकारी की ज़िम्मेदारी होगी। यादव ने कहा कि मुझे चुनाव आयोग से कोई नोटिस नहीं मिला है। मुझे पटना ज़िला निर्वाचन क्षेत्र से एक नोटिस मिला है, और मैं उसका उचित जवाब दूँगा। मुद्दा यह है कि अगर दो ईपीआईसी नंबर जारी किए जाते हैं, तो इसमें किसकी गलती है? मेरा मतलब है, वे गलती करते हैं, और फिर मुझसे स्पष्टीकरण मांगते हैं? क्या ऐसा पहले कभी हुआ है? मैंने हमेशा एक ही जगह से वोट दिया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने क्यों कहा- 'फांसीघर' वास्तव में एक 'टिफिन रूम' था, सीएम रेखा गुप्ता का एएपी पर हमला

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में आप सरकार के फांसी घर दावे को खारिज किया। उन्होंने इसे इतिहास से खिलवाड़ और शहीदों का अपमान बताया। मुख्यमंत्री ने भ्रामक बोर्ड हटाने जनता के पैसे की वसूली और जांच की मांग की।

नई दिल्ली (एजेंसी): विधानसभा के सदन में बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्ववर्ती आप सरकार द्वारा विधानसभा भवन के एक हिस्से को फांसी घर बताने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। साथ ही इसे इतिहास के साथ खिलवाड़, शहीदों का अपमान और जनता के साथ धोखा करार भी दिया है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता व सदन से आग्रह किया कि विधानसभा भवन में लगाए गए फांसी घर संबंधी भ्रामक बोर्ड को तुरंत हटाया जाए। उन्होंने कहा कि यह कदम विशेष रूप से 24-25 अगस्त को प्रस्तावित आल इंडिया स्पीकर कांफ्रेंस से पहले उठाना अनिवार्य है, ताकि देशभर से आने वाले माननीय स्पीकरों को झूठा इतिहास न दिखाया जाए व दिल्ली विधानसभा की प्रतिष्ठा बनी रहे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस झूठे प्रचार अभियान पर जनता के करदाताओं का लगभग एक करोड़ रुपये खर्च किए गए। उन्होंने इसकी वसूली सुनिश्चित करने, संबंधित लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने और एक विस्तृत जांच बिठाने की भी मांग की। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए स्क्रिप्टेड नाटक, भावनात्मक ड्रामा और झूठ का सहारा लिया, जिस पर लगभग एक करोड़ जनता का पैसा विज्ञापनों और प्रचार पर खर्च हुआ। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक नाटक नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता के विश्वास के साथ खुला धोखा है। लेकिन हमारी सरकार की जिम्मेदारी है कि हम सत्य को सामने लाएं और इस ऐतिहासिक भवन की गरिमा को सच्चाई के साथ सुरक्षित रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता की भावनाओं से खेलते हुए और सहानुभूति बटोरने के लिए बिना किसी प्रमाण, दस्तावेज या ऐतिहासिक आधार के विधानसभा भवन के एक हिस्से को फांसी घर घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि वह शुरूआत से ही कैलकुलेटिव ढंग से राजनीति करते रहे। हर हावभाव, हर पहनावा, हर नाटक किसी उद्देश्य से किया गया। ईमानदारी, देशभक्ति और त्याग का दिखावा कर जनता को गुमराह किया गया, जबकि असलियत में यह सब एक स्क्रिप्टेड ड्रामा था। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक तथ्यों का हवाला देते हुए बताया कि यह भवन वर्ष 1912 में बना और वर्ष 1913 से 1926 तक यहां इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल की बैठकें हुईं। जिस हिस्से को फांसी घर बताया गया, वह दरअसल ब्रिटिश काल में अंग्रेज अफसरों के लिए बनाई गई सर्विस सीढ़ियां थीं, जिनका इस्तेमाल टिफिन सर्विस और अन्य कार्यों के लिए होता था। जबकि वास्तविक में पुरानी दिल्ली की जेल मौलाना आजाद कॉलेज परिसर में थी और वहीं फांसी की सजा दी जाती थी। उन्होंने कहा कि इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करना केवल जनता को भ्रमित करने के लिए नहीं, बल्कि शहीदों की कुर्बानी का भी अपमान है। जिस भवन में संविधान की गरिमा के अनुरूप कानून बनाए जाते हैं, उसी के दर-ओ-दीवार पर झूठ लिख देना अक्षम्य अपराध है। विधानसभा अध्यक्ष ने फिर दोहराया, "फांसीघर" वास्तव में एक "टिफिन रूम" था विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बुधवार को मीडिया कर्मियों के लिए "फांसीघर" का एक दौरा आयोजित किया। इस दौरान गुप्ता ने फिर दोहराया कि "फांसीघर" वास्तव में एक "टिफिन रूम" था और यह गलत धारणा है कि ब्रिटिश शासन के दौरान इसका इस्तेमाल स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी देने के लिए किया जाता था।

संपादकीय

प्रकृति का रौद्र रूप

प्राकृतिक आपदाएं उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित सभी हिमालयी राज्यों की नियति बनती जा रही हैं। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में बादल फटने के कारण खीर गंगा नदी में बाढ़ आ जाने से जो भयंकर विपदा आई उससे पूरा देश सहम गया है। चंद सेकंडों ही में चहल-पहल भरा बाजार और इलाका तहस-नहस हो गया। दूर गांवों में रहने वाले ग्रामीण, जो यह नजारा देख रहे थे, स्थानीय लोगों को सावधान करने और वहां से भागने के लिए चीखते रह गए। पानी और मलबे के शोर में कोई उनकी चेतावनियों को नहीं सुन पाया। यह सब इतना तेजी से घटा कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिल पाया और देखते ही देखते भवन, दुकानें, होमस्टे और होटल बह गए। पूरा धराली बाजार मलबे से पट गया है, और इस कारण हुए जान-माल के नुकसान का पता लगने में लंबा वक्त लगेगा। धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किमी. पहले पड़ता है, और चार धाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। शांत बहने वाली खीर नदी पहले ग्लेशियर और फिर घने जंगलों से होकर बहती है। इसलिए इसका पानी अत्यंत शुद्ध है। आगे चल कर यह भागीरथी से मिल जाती है। इसलिए इसे खीर गंगा कहा जाता है लेकिन बरसात में समस्त पहाड़ी नदियों की तरह यह नदी भी उग्र रूप दिखाती है। पहले भी खीर गंगा में भीषण बाढ़ आ चुकी है। इतिहास टटोलें तो खीर गंगा में सबसे भीषण बाढ़ 1835 में आई थी। तब नदी ने सारे धराली कस्बे को पाट दिया था। बाढ़ से यहां भारी मात्रा में मलबा (गाद) जमा हो गया था। कहते हैं कि अभी यहां जो भी बसावट है, वह उस समय नदी के साथ आई गाद पर स्थित है। 1978 में धराली से नीचे डबराणी में एक डैम टूट गया था। इससे भागीरथी में भयंकर बाढ़ आ गई थी और कई गांव बह गए थे। धराली और आसपास के इलाकों में बादल फटने, भूस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं। लेकिन पहली बार इतनी व्यापक क्षति हुई है। वर्ष 2013 की केदारनाथ त्रासदी के बाद लगा था कि राज्य सरकार और प्रशासन ने सबक लिया है, और अब नदी-नाले और इनके किनारे मानवीय हस्तक्षेप से बचे रहेंगे लेकिन दुखद बात है कि गंगा के किनारों का हाल 2013 से भी बुरा हो गया है। बादल फटना हिमालय क्षेत्र में विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। इसकी वजह है बहुत कम समय में किसी छोटे इलाके में भारी बारिश का होना। जलवायु परिवर्तन के कारण इन घटनाओं की आशंका लगातार बढ़ रही है। ऐसी आपदाओं से बचना तो मुश्किल है लेकिन नदी घाटियों से तो आबादी को तो दूर रखा ही जा सकता है जिससे बाढ़ और भूस्खलन की मार से बचा जा सके।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है। जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत के खिलाफ ट्रंप का टैरिफ वॉर

संतोष कुमार पाठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी के मुताबिक, भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस नए ऐलान के बाद भारत पर अब कुल मिलाकर अमेरिका ने 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है। ट्रंप का यह फैसला अपने आप में कितना अजीब है कि रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाले देश चीन पर उसने सिर्फ 30 प्रतिशत का ही टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50 प्रतिशत थोप दिया है।

ऐसे में अब सवाल यह उठ रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के इस जिद भरे फैसले को कैसे देखा जाए क्योंकि अमेरिका इस बात को बखूबी समझता है कि भारत की कोई भी सरकार अमेरिका के दबाव में रूस के साथ अपने कारोबारी रिश्ते को खत्म नहीं कर सकती है। भारत रूस से तेल भी खरीदता रहेगा और व्यापारिक संबंध भी रखेगा। ऐसे में कई जानकारों का यह भी मानना है कि ट्रंप का यह फैसला बातचीत से पहले भारत पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। याद दिला दें कि, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार जारी है और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल 25 अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान के बाद, भारत ने बुधवार को ही इसका जवाब भी दे दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को ही अमेरिका के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए बयान जारी कर कहा कि, 'हाल के दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात बाजार के कारकों पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं। इसलिए, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर उन कार्यों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का विकल्प चुना है जो कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में कर रहे हैं।'

भारत ने अपने बयान में अमेरीकी फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए आगे स्पष्ट तौर पर कहा, 'हम दोहराते हैं कि ये कार्य अनुचित और अविवेकपूर्ण हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वयं मोर्चा संभालते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश देने का भी प्रयास किया।आईसीएआर पूसा में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है।'

इन तमाम बयानों से यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि टैरिफ की यह लड़ाई लंबी खिंचने वाली है। ऐसे में समय की यह मांग कि है भारत अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करने के साथ-साथ अमेरिका को एक बड़ा झटका भी देने की तरफ बढ़े और यह वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयासों से ही संभव हो सकता है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने पहले ही डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए यह कह दिया है कि, वह टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रंप को कॉल नहीं करेंगे। इसकी बजाय वह भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसे नेताओं के साथ बातचीत करना चाहेंगे।

भारत को भी इसी तरह का सख्त स्टैंड लेते हुए बातचीत करने के लिए 25 अगस्त को आ रहे अमेरिकी अधिकारियों का दौरा रद्द कर देना चाहिए। इसी महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान के साथ मिलकर डोनाल्ड ट्रंप को सबक सिखाने की रणनीति बनाने पर काम करना चाहिए। लेकिन ऐसा करते समय, चीनी राष्ट्रपति को यह स्पष्ट तौर पर बता भी देना चाहिए कि ऐसे मौके का फायदा उठाकर अगर चीन की सेना ने भारत-चीन सीमा पर कोई नापाक हरकत की तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत के लिए सही मायनों में यह आपदा में अवसर का प्रतीक है और अगर हमने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सही तरीके से अपना दांव चला तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं पाएगा।

मानसून : पोल खुलती शहर की

मनोज चतुर्वेदी

ध्या न दें जहां भी जल भराव हो रहा है, वहां अधिकांश स्थान वे हैं, जहां के नदी-तालाब पर समाज ने कब्जा कर रखा है।

असल में पानी को लेकर हमारी सोच प्रारंभ से ही त्रुटिपूर्ण रही है-हमें पढ़ा दिया गया कि नदी, नहर, तालाब झील आदि पानी के स्रोत हैं, हकीकत में हमारे देश में पानी का स्रेत केवल मानसून है, नदी-दरिया आदि तो उसको सहेजने के स्थान मात्र हैं। मानसून की नियामत सहेजने के स्थान पर हमने खुद उन्हें उजाड़ दिया। मानसून विदा होते ही उन सभी इलाकों में पानी की एक-एक बूंद के लिए मारा-मारी होगी।

हम जानते हैं कि हमारे लोक जीवन, अर्थव्यवस्था, पर्व-त्योहार का मूल आधार बरसात या मानसून का मिजाज ही है। कमजोर मानसून पूरे देश को सूना कर देता है। कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि मानसून भारत के अस्तित्व की धुरी है। जो महानगर-शहर पूरे साल वायु प्रदूषण के कारण हलकान रहते हैं, इसी मौसम में वहां के लोगों को सांस लेने को साफ हवा मिलती है। खेती-हरियाली और साल भर के जल की जुगाड़ इसी बरसात पर निर्भर हैं। इसके बावजूद जब प्रकृति अपना आशीष इन बूंदों के रूप में देती है, तो समाज और सरकार इसे बड़े खलनायक के रूप में पेश करने लगते हैं। इसका असल कारण यह है कि हमारे देश में मानसून का सम्मान करने की परंपरा समाप्त होती जा रही है-कारण हैं-तेज पलायन और गांवों का शहरीकरण।

भारतीय मानसून का संबंध मुख्यतया गरमी के दिनों में होने वाले वायुमंडलीय परिसंचरण में परिवर्तन से है। गरमी की शुरूआत होने से सूर्य उत्तरायण हो जाता है। सूर्य के उत्तरायण होने के साथ-साथ अंतःउष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र भी उत्तरायण होना प्रारंभ हो जाता है। इसके प्रभाव से पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में प्रवाहित होने लगती है। इस तरह तापमान बढ़ने से निम्न वायु दाब निर्मित होता है। दक्षिण में हिन्द महासागर में मेडागास्कर द्वीप के समीप उच्च वायु दाब का विकास होता है, इसी उच्च वायु दाब के केंद्र से दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्पत्ति होती है।

जान लें कि तापमान बढ़ने के कारण एशिया पर न्यून वायु दाब बन जाता है। इसके विपरीत दक्षिणी गोलार्ध में शीतकाल के कारण दक्षिण हिन्द महासागर तथा उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पास उच्च दाब विकसित हो जाता है। परिणामस्वरूप उच्च दाब वाले क्षेत्रों से अर्थात महासागरीय भागों से निम्न दाब वाले स्थलीय भागों की ओर हवाएं चलने लगती हैं। सागरों के ऊपर से आने के कारण नमी से लदी ये हवाएं पर्याप्त वृष्टि प्रदान करती हैं।

जब निम्न दाब का क्षेत्र अधिक सक्रिय हो जाता है तो दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक हवा भी भूमध्य रेखा को पार करके मानसूनी हवाओं से मिल जाती है। इसे दक्षिण-पश्चिमी मानसून अथवा भारतीय मानसून भी कहा जाता है। इस प्रकार एशिया में मानसून की दो शाखाएं हो जाती हैं-भारत में भी दक्षिण-पश्चिम मानसून की दो शाखाएं हो जाती हैं-बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की शाखा। जलवायु परिवर्तन का गहरा असर भारत में दिखने लगा है, इसके साथ ही ठंड के दिनों में अल नीनो और दीगर मौसम में ला नीना का असर हमारे मानसून-तंत्र को प्रभावित कर रहा है।

विडंबना यह है कि हम अपनी जरूरतों के कुछ लीटर पानी को घटाने को तो राजी हैं, लेकिन मानसून से मिले जल को संरक्षित करने के मार्ग में खुद ही रोड़ा अटकाते हैं जबकि मानसून को सहेजने वाली नदियों में पानी सुरक्षित रखने की बनिस्बत रेत निकालने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। हम भूल जाते हैं कि नदी की अपनी याददाश्त होती है, वह दो सौ साल तक अपने इलाके को भूलती नहीं। गौर से देखें तो आज जिन इलाकों में नदी से तबाही पर विलाप हो रहा है, वे सभी किसी नदी के बीते दो सदी के रास्ते में यह सोच कर बसा लिए गए कि अब तो नदी दूसरे रास्ते बह रही है, खाली जगह पर बस्ती बसा ली जाए।

दूर क्यों जाएं, दिल्ली में ही अक्षरधाम मंदिर से ले कर खेल गांव तक को लें, अदालती दस्तावेज में खुरपेंच कर यमुना के जल ग्रहण क्षेत्र में बसा लिए गए। दिल्ली के पुराने खादर में बीते पांच दशक में ओखला-जामिया नगर से ले कर गीता कालोनी, बुराड़ी जैसी घनी कॉलोनियां बस गई और अब सरकार यमुना का पानी अपने घर में रोकने के लिए खादर को बसाने की बात कर रही है। बिहार राज्य में ही उन्नीसवीं सदी तक हिमालय से चल कर कोई छह हजार नदियां आती थीं जो संख्या आज घट कर बमुश्किल 600 रह गई है। असल में हम अपने मानसून के मिजाज, बदलते मौसम में बदलती बरसात, बरसात के जल को सहेज कर रखने के प्राकृतिक खजानों की रक्षा के प्रति न तो गंभीर हैं, और न ही कुछ नया सीखना चाहते हैं। पूरा जल तंत्र महज भूजल पर टिका है जबकि सर्वविविदत तथ्य यह है कि भूजल पेयजल का सुरक्षित साधन नहीं है। हर घर तक नल से जल पहुंचाने की योजना का सफल क्रियान्वयन मानसून को सम्मान देने से ही संभव होगा।

उत्तराखंड तबाही : फितरती मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी

प्र फितरती मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी ' विश्व विख्यात देवभूमि हिमाचल व उतराखंड में प्रकृति का तांडव ,एक त्रासदी है ' उत्तराखंड व हिमाचल को पता नहीं किसकी नजर लगी है की यहां तबाही ही तबाही हो रही है ' मात्र 34 सेकंड में प्रकृति ने धारली में पल भर में सब तहस नहस कर दिया दर्जनों लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग लापता हो गए हैं' धारली के पास हर्षिल में भी सेना का केम्प व हेलीपेड को भी नुकसान पहुंचा है सेना के 11 जवान लापता हैं ' होटल भी बह गए ' कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। कुछ साल पहले भी उतराखंड में प्रकृति का रौद्र तांडव , एक त्रासदी है। प्रलय में असमय व अकाल ही निर्दोष लोग मारे गए थे । कुछ बच गए थे कुछ लापता हो गए थे । प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है। मानव कृतध्न बनता जा रहा है। मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है। आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है । मानव का अहम मिटाकर रख दिया है। गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुकें है। अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे है। प्रकृति ने मानव को समय-समय पर आगाह किया मगर इंटरनैट की दुनिया के जाल में फंसा मानव खुद को प्रकृति से बड़ा माने लगा था उसे यह आभास नहीं था कि प्रकृति सबसे बड़ी गुरु है। प्रकृति ने बहुत कुछ सहा है चारों तरफ गंदगी है वातावरण अशुद्ध हो गया है। वातवरण कि शुद्धि के लिए प्रकृति मजबूर हो गई और मगरुर हो चुके इंसान का गुरुर तोड़ कर रख दिया है। अनजाने में हुई भूल को माफ किया जा सकता है मगर जानबूझकर की गई गलतियों की सजा प्रकृति ने मानव को दे दी है। मानव को जीवन और मौत की परिभाषा सिखा दी है। यह प्रलय की आहट है। कुदरत ने भटक चुके मानव को पाप और पुण्य का अंतर समझा दिया है। प्रकृति का एक संदेश है भटक चुके व अहंकारी इंसान के लिए जो कुदरत से खिलवाड़ करता था। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी। मानव को सबक सीखाती रहेगी। कुदरत का कहर बरपता रहेगा। यह प्रकृति का एक टरेलर ही है अगर अब भी मानव ने प्रकृति से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रकृति पूरी पिक्चर दिखएगी तब होश आएगा वक्त अभी संभलने का है। अभी भी वक्त है प्रकृति से छेड़छाड़ मत कीजिये ' बेहरम बरसात ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक बहुत तांडव किया और हजारों लोगों को लील लिया बाढ़,भूसखलन के हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं केरल के वायनाड मे भूस्खलन होने से 43 लोगों की मौत हो गई थी इस भूसखलन मे लगभग 400 लोग लापता हो गए थे यह बहुत ही त्रासदी थी ' चार गाँव बह गए थे और पुल, सड़क, मकान बह गए हैं ' एन डी आर एफ की टीमें जान जोखिम मे डाल कर लोगों का जीवन बचाती है 'भारी बरसात के कारण यह हादसे होते है ' सर्च ऑपरेशन व बचाव कार्य में भी काफी जोखिम होता हैं ' हिमाचल में भी बहुत तबाही हुई गाँव के गाँव दब गए लाशें नहीं मिली बादल फटने से 46 लोग मारे गए चलती गाड़ी पर पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई ' प्रतिवर्ष बरसात मे ऐसे हादसे होते हैं और लोगों को जान गंवानी पड़ती है 'प्रकृति की चेतावनी, सुधर जा मानव अभी सम्भलने वक़्त है'प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने वाले मानव को प्रकृति ने आगाह किया है की सुधर जाओ नहीं तो तबाह कर दूंगी यह तो एक ट्रेलर है अभी पूरी पिक्चर बाकि है हिमाचल के किन्नौर से लेकर भरमोर तक तबाही ही तबाही हो रही है बरसात का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है प्रतिदिन पहाड़ दरक रहे हैं ' बरसात ने सेकड़ों लोगों का जीवन लील लिया है कई बच्चे अनाथ हो गए माताएँ व बहनों का सिंदूर मिट गया यह बरसात इतने जख्म दे गई की जख्म तो भर जायेंगे पर निशान अमिट रहेंगे बरसात के कारण अब तक सेंकेड़ो लोग मारे जा चुके हैं जो बह गए अभी तक नहीं मिल सके हैं करोड़ो की सरकारी व निजी सम्पति बह गई लोगों की उम्र भर की कमाई खत्म हो गई लोगों को सड़को पर राते गुजारने पड़ रही है पल भर मे सब कुछ बह गया ' कारें व बसें भी बह गई,आलीशान घर पल भर मे बह गए ' सदियों पुराने पुल बह गए प्रकृति कभी भेदभाव नहीं करती लेकिन जब मानव ने प्रकृति का सीना छलनी कर दिया तो प्रकृति ने मानव को सबक सीखा दिया ' अवैध खनन के कारण नदियों व नालों का रास्ता बदल गया है लोगो ने नदियों के किनारे मकान बना दिए नतीजन अब भुगत रहे हैं ' बरसात अपना रोद्र रूप इंसान को दिखा चुकी है भटक चुके मानव को उसकी औकात दिखा दी है' मानव को भी छेड़छाड़ करना बंद कर देनी चाहिए ' पिछले साल20अगस्त को भी बहुत तबाही हुई थी मंडी के गोहर मे एक मकान के जमींदोज होने से आठ लोगो की मौत हो गई थी ' अगस्त मे लगातार मूसलाधार बारिस हो रही है सड़कें बह रही है पहाड़ मे बादल फट रहे हैं लोग असमय मारे जा रहे हैं ' अभी अगस्त माह बाकि है पता नहीं कुदरत क्या कहर ढाएगी ' प्रशांसन भी सक्रिय है लोगों को सुरक्षित जगह पर आश्रय दें रहा है लोगों को भी सतर्क रहना चाहिए नदियों का जलस्तर भी काफी हो चूका है लोग लापरवाही बरत रहे हैं और बह रहे हैं ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए ' मानव को पहाड़ो से छेड़छाड़ बंद करनी होंगी ताकि आने वाले समय मे ऐसे हादसे रुक सके वक़्त अभी सभलने का है ' अगर अब भी सबक नहीं सीखा तो ऐसी तबाही लगातर होती रहेगी ' मानव को चाहिए की अब ऐसी भूल मत करें नहीं तो कुदरत नामोनिशान मिटा देगी ' गत बीते वर्ष रविवार को सुबह साढे दस बजे राज्य के चमोली जिला के तपोवन में ग्लेशियर टूटकर ऋषिगंगा नदी में गिरा और तबाही का मंजर पल भर में लोगों को लील गया। ऋषिगंगा नदी के किनारे रैणी गांव में ऋषिगंगा पावर प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया और दर्जनों लोगों की लील गया था । 16 लोगों को एडीआरएफ ने बचा लिया था । 204 लोग लापता हो गए थे और 34 शव बरामद कर लिए थे यह बहुत ही त्रासदी है। पल भर में लोग बह गए थे और लापता हो गए थे । चमोली में लापता लोगां की तलाश के लिए अब जियोग्राफीकल स्कैनिंग की गई थी । प्रकृति समय-समय पर आगाह करती रहती है मगर फितरती हो चुका मानव खुद के समझकार समझता है मगर प्रकृति ने एक छोटे से झटके से उसको औकात दिख दी है। सरकारो ने मुआवजे की घोषणा कर दी है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। प्रकृति से खेलना बंद करना होगा। यह प्रलय निरंतर होते रहेंगें। बीते साल 2024 में अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी थी । 80 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। लाखों लोग बेघर हो गए थे । पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इलाके जल्मगन हो गए थे। देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिर्दगियां लीलता है। लाखों-हजारों लोग मारे जाते है। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय-समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है। देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदीयां हो रही है। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। अक्तूबर 1999 में भी उड़ीसा में तूफान ने काफी तबाही मचाई थी। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए थें। बच्चे अनाथ हो थे लाशे मलवे में दफन हो थी। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके । अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिर्दगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रज्जेय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए। अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय -समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है।

जिलाधिकारी की आमजन से अपील, बाढ़ से बचाव को लेकर अपनाएं सुरक्षात्मक तरीके

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जनपद में सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत जनसामान्य से अपील की है कि बाढ़ के दौरान सतर्क रहें, ऐसे स्थानों पर ना जाएं जहां जलभराव की स्थिति बनती है। गहरे स्थानों, नदी, नालों, नहरों, तालाब, डैम, कुंए इत्यादि स्थानों पर जाने से बचें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों को मानें और प्रशासन का सहयोग करें. पुराने, जर्जर भवन के नीचे निवास न करें। उन्होंने कहा कि बारिश और खराब मौसम के दौरान यथासंभव अति आवश्यक हो तभी घर से बाहर निकलें तथा जलभराव वाले स्थानों पर जाने से बचें। बारिश के दौरान बिजली के खंभों में करंट उतरने की संभावना अत्यधिक रहती है, इसलिए बिजली के खंभों के किनारे कतई न जायं। नदी, नालों, नहरों, तालाबों में कतई न जाएं तथा बच्चों पर विशेष निगरानी रखें कि वे जलभारव वाले स्थान पर न जाने पाएं। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत एडवाइजरी जारी कर बचाव व सुरक्षा के उपाय बताए गए हैं। जिला आपदा विशेषज्ञ ने बताया कि बाढ़ की स्थितियों में छोटी नदियों और नालों से दूर रहने की आवश्यकता है। नदियों के किनारे या धान के खेतों के नजदीक वाहन चलाने से बचना चाहिए। नदियों में उफान आने या धान के खेतों में पानी भर जाने पर यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि सड़क और पानी के बीच की सीमा कहाँ है। जरा-सी चूक होने पर वाहन नदी या खेत में गिर सकता है। अतीत में आये आंधी-तूफानों और मूसलाधार वर्षा के दौरान कुछ लोगों की इसी प्रकार मौत हुई थी। ध्यान रखें कि मूसलाधार बारिश के समय जिस सड़क से पलायन करें वह सुरक्षित हो, फिर भले ही आप उस सड़क से अच्छी तरह वाकिफ क्यों न हों। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जनसामान्य को आकाशीय बिजली से बचाव हेतु दामिनी एप का प्रयोग करने की सलाह दी गई है। किसानों और पशुपालकों को सलाह दी गई है कि अपने मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखें। जलभराव के कारण सर्पदंश की घटनाएं संभावना भी बढ़ गई है, ऐसे घरों में सावधानी बरतें तथा सांप काटने पर तुरन्त अपने

निकटतम सीएचसी या जिला अस्पताल जाकर एन्टी स्नेक वेनम का इंजेशन लगवाएं। यह भी सलाह दी गई है कि भारी बारिश की स्थिति में तलघरों और भूमिगत सुविधा केंद्रों से हट जायें। यदि किसी कारण से आपको भूमिगत रहना पड़े तो नवीनतम मौसम की जानकारी और स्थानीय सरकारों की चेतावनी पर नजर बनाए रखें और सुनिश्चित करें कि बाढ़ आने की संभावना होने पर जमीन से ऊपर पहुँच जायें। मूसलाधार बारिश की स्थिति में तलघरों, भूमिगत शॉपिंग मॉल या गाड़ी खड़ी करने की जगहों में बड़ी मात्रा में पानी भरना शुरू हो सकता है। भूमिगत होने की स्थिति में हम ऊपर क्या हो रहा है। इसका अर्थ है कि भारी बारिश या बाढ़ की स्थिति में समय पर अपना स्थान खाली करने में विफल हो सकते हैं। एक बार जब पानी भूमिगत सुविधा केंद्रों में बहने लगता है तो जल प्रवाह का सामना करते हुए सीढ़ियाँ चढ़ना बहुत मुश्किल हो जाएगा। जब वर्षा, जल-निकासी क्षमता से अधिक होती है, तो सीवर पाइपों या नालों में बहने वाले वर्षा जल का दबाव मैनहोल बढ़ जाता है। नालों या गटर में बहने वाले पानी का स्तर भी बढ़ सकता है। ऐसे में, निचले इलाकों या संकरी सड़कों पर पानी जमा हो जाता है। कभी-कभी इस जल का प्रवाह नदी जितना तेज हो सकता है, जिससे व्यक्ति का संतुलन बिगड़ सकता है। जब आसपास के क्षेत्र जलमग्न हों तो आपको जितना संभव हो, अपना स्थान बदलने से बचना चाहिए। यदि आपको जगह बदलने की आवश्यकता हो, तो दो या उससे अधिक लोगों के समूह में ही ऐसा करें। छतरी या डंडे से जमीन का जायजा लेते हुए धीरे-धीरे चलें। जलमग्न सड़कों पर वाहन चलाना खतरनाक होता है। सड़क पर भरा पानी कोई बड़ी समस्या न लगने पर भी हो सकता है कि पानी काफी गहरा हो। ऐसी स्थिति में पानी में कार के रुक जाने या कार के बह जाने का खतरा होता है। इसके अलावा, जब सड़क पर पानी भरा होता है और सड़क की सतह नहीं दिखती, तब अनजाने में गड्ढों, नालियों और सिंचाई की नहरों में गाड़ी के गिर जाने का खतरा रहता है। ऐसे में जलमग्न सड़कों पर न जाकर, कोई अलग रास्ता लें। यदि बाढ़ग्रस्त या जलभराव वाली सड़क पर जाना ही पड़े, तो कार की रफ़्तार धीमी रखें तथा आगे चल रही कार और अपनी कार के बीच पर्याप्त दूरी बनाकर चलें। ऐसा इसलिए क्योंकि सामने की कार से उछलता पानी आपकी दृष्टि पूरी तरह बाधित कर सकता है और यदि आगे चल रही कार ने अचानक ब्रेक लगायी तो आपके उस कार से टकराने का खतरा हो सकता है। इसलिए बारिश के दौरान बचाव हेतु बताए गए विभिन्न उपायों को अपनाएं और सुरक्षित रहें। बाढ़ एवं अन्य किसी आपदा के लिए आपदा कंट्रोल रूम के दूरभाष नम्बर 05922-252100 पर सम्पर्क कर अपनी समस्या बता सकते है। इसके अतिरिक्त टोल फ्री नम्बर-1070पर भी सम्पर्क कर सकते है। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी अधिकारी अपना सी0यू0जी0 नम्बर प्रत्येक दशा में सक्रीय रखेंगे। उन्होने कहा कि जनपद वासियों को किसी भी प्रकार की सहायता हेतु जनपद के किसी भी अधिकारी को सम्पर्क कर सकते है।

चामुंडा मंदिर पर किया गया भंडारे का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्राम मिजार्पुर डूंगर में चामुंडा मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया। चामुंडा मंदिर पर गत मंगल वार के दिन से रामचरित मानस का अखंड पाठ चल रहा था। जिसका आज समापन हुआ है समाप्ति के अवसर पर यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में भारतीय जनता पार्टी के हसनपुर विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने साथियों सहित प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर चौधरी नरेंद्र सिंह , चंद्र प्रकाश शर्मा, महिपाल बोरा, जयप्रकाश शर्मा, त्रिवेंद्र सिंह, अमित कुमार, अनुज शर्मा, राजाराम, मुदित गुर्जर ब्लाक प्रमुख, जगत वीर सिंह, ऋषि वीर सिंह, हिमांशु शर्मा, राहुल शर्मा, अशोक भागर पूर्व प्रधान आदि मौजूद रहे।

ई-लॉटरी के माध्यम से कृषि यंत्रों के लाभार्थियों का हुआ चयन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में कृषि विभाग द्वारा संचालित कृषि यंत्रीकरण की योजना अंतर्गत 15 दिनों तक किसानों के द्वारा आवेदन किए गए थे, आवेदन के पश्चात आज जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति एवं यंत्रों के लिए आवेदन करने वाले कृषकों की उपस्थिति में ई लॉटरी के द्वारा चयन किया गया। ई लाटरी के दौरान जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं समिति के अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे उप निदेशक कृषि डॉ0 प्रवेश कुमार ने बताया कि जिन यंत्रों हेतु लक्ष्य के बराबर आवेदन किए गए थे उसमें सभी का चयन हो गया, लेकिन जिन यंत्रों में लक्ष्य से अधिक आवेदन किए गए थे उन यंत्रों के लिए लॉटरी की गई। जिन किसानों का लॉटरी के द्वारा चयन हुआ है, उनको एक माह के अंदर यंत्रों को खरीद करके उसके फोटोग्राफ्स और बिल कृषि विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा, सत्यापन के बाद नियमानुसार डीबीटी के माध्यम से अनुदान की धनराशि किसानों के खाते में भेजी जाएगी।

तिरंगा यात्रा के आयोजन को लेकर बैठक कर की गई रणनीति तैयार

हसनपुर/ अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी की हसनपुर मंडल कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन विधान सभा हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी के आवास पर किया गया। बैठक में उपस्थित कार्यकताओं की उपस्थिति का बैठक में उपस्थित विधानसभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने जायजा'लिया। कार्यकताओं की संतोष जनक उपस्थिति के लिए मंडल अध्यक्ष व मंडल कार्यकारिणी का उत्साह वर्धन किया साथ ही अनुपस्थित रहे कुछ कार्यकताओं से बात कर कारण जानने व आगामी कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु संपर्क करने को कहा। बैठक में उपस्थित मुख्य अतिथि व मंडल प्रभारी रमेश कलाल ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में लगभग 1000 कार्यकताओं की मौजूदगी में तिरंगा यात्रा का आयोजन करने के निर्देश दिए। तिरंगा यात्रा हेतु 12अगस्त को ब्लाक परिसर से शुरू कर रहरा अड्डे पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा तक निकालने का निर्णय लिया। जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी ने कार्यकताओं को संगठन में सक्रिय भागीदारी निभाने को कहा साथ ही निष्क्रिय कार्यकताओं को सचेत करने के लिए मंडल अध्यक्ष को निर्देश दिए। विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत आगामी स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को मंडल से बूथ स्तर तक हर घर तिरंगा अभियान के रूप में व ध्वजारोहण कर फोटो सोशल मीडिया पर डालने की अपील की। उन्होंने कहा स्वतंत्रता दिवस का पर्व एक राष्ट्रीय पर्व है जिसे प्रत्येक धर्म के लोग मिलकर मनाते हैं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, मंडल प्रभारी रमेश कलाल जी, हसनपुर मंडल अध्यक्ष राजू राणा, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र खड़गवंशी, विधानसभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, भाजपा नेता अजय पाल, मंडल उपाध्यक्ष पौरूष अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष भोजराम सिंह, मंडल उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह खड़गवंशी, मंडल महामंत्री हिमांशु त्यागी, मंडल महामंत्री सौरभ गुप्ता, मंडल मंत्री प्रमोद कुमार शर्मा, मंडल मंत्री विभोर अग्रवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रमोद कुमार रोहिल्ला, शक्ति केंद्र संयोजक जयवीर सिंह, शक्ति केंद्र संयोजक विनोद कुमार, भोला सिंह, सभासद मुन्ना चौहान, संदीप गुप्ता, शक्ति केंद्र संयोजक नाजिम बक्स, रोबिन सागर, दीपा वर्मा, ममता शर्मा, विजय शर्मा, एवं पार्टी के देव तुल्य कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

भाकियू (लोक शक्ति) के कार्यकताओं ने की मासिक बैठक, एसडीएम को सोपा ज्ञापन

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना) शो सिंह सैनी:- भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति की मासिक बैठक का आयोजन तहसील प्रांगण में किया गया। बैठक की अध्यक्षता सुभाष चंद्र ने की व संचालन नरदेव कश्यप ने किया। बैठक में किसानों व क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। जिसके बाद एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया गया। जिस पर एसडीएम ने एक हफ्ते के अंदर समस्याओं का समाधान करने की बात कही। बैठक में डॉ सुमित कुमार नागर राष्ट्रीय सचिव सुभाष यादव राजीव जसवंत सुरेंद्र कल्लन सिंह रामपाल मुजाहिद हुसैन सजाद हुसैन शहीद यामिन सत्यवीर यादव राकेश त्यागी चरणसिंह भीष्म त्यागी ओमकार सिंह धीरज कुमार जुल्फिकार सलमानअसलमअतीक भगवान दास राजपाल मकसूद आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लापरवाही बनी काल...तीन घंटे में ट्रेन से कटकर दो श्रमिकों की मौत

गजरौला। लापरवाही की वजह से तीन घंटे के भीतर दो श्रमिकों की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। दोनों के शव को जीआरपी व थाना पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया है। पहला हादसा रात करीब 11 बजे स्थानीय रेलवे स्टेशन पर हुआ। यहां पर जनपद बिजनौर के स्योहरा कस्बे के मुहल्ला मुस्लिम चौधरिया निवासी 35 वर्षीय जीशान पुत्र शमशाद की रनथ्रू ट्रेन गरीब रथ की चपेट में आकर मौत हुई। स्वजन ने बताया कि वह अपने ही परिवार के युवकों के साथ गुजरात जाने के लिए निकला था। गजरौला स्टेशन से दिल्ली की ट्रेन में बैठते और फिर दिल्ली से गुजरात जाते। जीशान रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। ट्रेन में भी आते हुए नजर आई मगर, उसने सोचा कि भागकर पार ट्रैक पार कर लेंगे। इसी लापरवाही में ट्रेन नजदीक आ गई और जैसे ही जीशान ने प्लेटफार्म पर चढ़ने की कोशिश की तो उसका पैर ट्रेन की चपेट में आ गया। इसके बाद उसकी मौत हो गई। यहां के बाद दूसरी घटना रात करीब दो बजे महेशरा रेलवे स्टेशन पर हुआ। बिहार के जिला पूर्णिया के थाना कसवा क्षेत्र के गांव दनखनिया मसौढ़ी निवासी 25 वर्षीय रमेश ऋषि पुत्र डोमन ऋषि रेलवे में ट्रैक पर होने वाले काम को ठेकेदार के अंडर में करता था। यह लोग प्लेटफार्म पर ही सोते हैं। रात में लघुशंका करने के लिए वह ट्रैक पर पहुंच गया। इसी बीच एक रनथ्रू ट्रेन की चपेट में आकर उसकी भी मौत हो गई। जीआरपी चौकी प्रभारी राजीव नैन ने बताया कि मंगलवार की रात को तीन घंटे में दो लोगों की मौत ट्रेन से कटकर हुई है। दोनों के शवों को अग्रिम कार्रवाई के लिए भिजवा दिया गया है।

भाकियू शंकर का अपनी मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन

मुख्यमंत्री को सम्बोधित मांगपत्र डिप्टी कलेक्टर को सौंपा

अमरोहा (सब का सपना): भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने ब्रहस्पतिवार को किसान समस्याओं को लेकर अमरोहा कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन करते हुए समस्याओं के समाधान की मांग की है। इस दौरान मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर ब्रजपाल सिंह को सौंपते हुए समस्याओं के त्वरित निस्तारण की मांग की गई है। दोपहर 11:00 बजे से आयोजित इस कार्यकम की अध्यक्षता चौधरी धर्मवीर सिंह व इसका संचालन प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह ने किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार किसान व आवाम के हित अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, किंतु विभागीय भृष्टाचार के चलते इन योजनाओं का लाभ आम जनता को नहीं मिल पा रहा है। जिसे लेकर किसानों व आम जनता में भारी रोष फैल रहा है। चक्कालीलेट में प्रस्तावित रेलवे कंटेनर डिपो के निर्माण हेतु 480 बीघा जमीन का अधिग्रहण किया जाना है, जिसमें किसानों को 20 लाख रुपये प्रति बीघा मुआवजा दिया जाना है। जिन किसानों की जमीन परियोजना में जा रही है उस परिवार से एक व्यक्ति को योग्यता के आधार पर नौकरी दी जानी चाहिए। वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 के लिएं गन्ने मूल्य 450 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया जाए, समयावधि के बाद किये जाने वाले गन्ना मूल्य भुगतान पर 15% ब्याज की दर से धनराशि दी जानी चाहिए। मनमानी करने वाली चीनी मिलों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करते हुए किसान हित में फैसला लिया जाना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक किसानों के साथ धोखाधड़ी करते हुए मनमानी पर उतारू है, किसानों से तमाम तरह के चार्ज वसूलते हुए उनका उत्पीड़न किया जा रहा है,नया केसीसी बनवाने के नाम पर भी 10 से 30 दिन का समय लगाया जा रहा है जिस से किसान परेशान है। तहसील स्तर पर भी भृष्टाचार का बोलबाला है जिस पर रोक लगाई जानी चाहिए।

गजरौला पुलिस ने कार चोरी करने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह का किया भंडाफोड़

पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय के समक्ष किया पेश

गजरौला/ अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस ने चार पहिया वाहन चोरी करने वाले एक अंतर्जनपदीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय के समक्ष पेश किया है। इस दौरान पुलिस ने पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है तथा उनके कब्जे से चोरी की गई स्विफ्ट कार व कार के दस्तावेज, चाबी, मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त एक ब्रेजा कार बरामद की है। ज्ञात रहे कि गजरौला पुलिस को बीती 31.7.2025 को गजरौला के मोहल्ला सरस्वती विहार कॉलोनी निवासी गौरव सिद्धू पुत्र रनवीर सिंह की तरफ से कार चोरी होने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ था। जिस पर गजरौला पुलिस द्वारा संज्ञान लेते हुए कार्यवाही की गई। जिसके परिणाम स्वरूप पुलिस के द्वारा बृहस्पतिवार को चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेज दिया गया है। इस मामले में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त फेसबुक मार्केटप्लेस पर फर्जी आईडी बनाकर लोगों को झांसा देकर चार पहिया वाहन बेच देते थे और एक चाबी अपने पास रख लेते थे। वाहन बेचने के बाद यह चोर बेची गई गाड़ी का पीछा करते थे और उसे दूसरी चाबी की मदद से चुरा कर दोबारा किसी और को बेच देते थे। इसके अलावा गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी की गई एक स्विफ्ट कार के दस्तावेज व चाबी, मोबाइल फोन एवं घटना में प्रयुक्त एक ब्रेजा कार बरामद की गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों में शुभम प्रताप सिंह पुत्र चंद्रसिंह निवासी ग्राम औरंगाबाद थाना सदर जनपद मथुरा, छोटू चौधरी पुत्र हीरालाल निवासी गदाई थाना मुरसान जनपद हाथरस, अजीत पुत्र जगदेव निवासी ग्राम शेरपुर थाना सादाबाद जनपद हाथरस, विवेक सिंह पुत्र विनोद चौधरी निवासी ग्राम औरंगाबाद थाना सदर जनपद मथुरा एवं अजीत उर्फ लक्की पुत्र चंद्रपाल सिंह निवासी ग्राम मांढाका थाना जनपद शामिल हैं।

जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने जनपद के सभी कृषक बंधुओं को सूचित करते हुए बताया कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता है। दिनांक 07.08.25 को 5232 मी0 टन यूरिया, 1872 मी0 टन डीएपी तथा 2604 मी0 टन एनपीके उपलब्ध है, जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं है, आज दिनांक को कोई भी समिति ऐसी नहीं है जिस पर शून्य उपलब्धता हो, आवश्यकतानुसार समितियों पर उर्वरक प्रेषण के निर्देश दिये गये है, इसके अलावा जनपद के किसानों से भी अनुरोध है कि संतुलित मात्रा में ही उर्वरकों का प्रयोग करें ताकि मृदा की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। जनपद के किसानों से अपील है कि जोत के आकार और फसल की संस्तुति के अनुसार ही संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। अधिक मात्रा में यूरिया उर्वरक का प्रयोग करने से फसलों की वानस्पतिक वृद्धि अधिक हो जाने के कारण फसलों में बीमारियों/रोगों की सम्भावना भी बढ़ जाती है। उर्वरक, कीटनाशी रसायन एवं सहकारी समिति से सम्बन्धित कोई समस्या या सुझाव देने के लिए कन्ट्रोल रूम भी स्थापित है। कंट्रोल रूम पर श्री अवनीश कुमार मोबाइल नंबर 8954963512, दिनेश कुमार मोबाइल नंबर 9149305622, प्रदीप कुमार मोबाइल नंबर 7839882774 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। मनोज कुमार ने जनपद अमरोहा के सभी उर्वरक आपूर्तिकर्ता संस्थाओं के प्रतिनिधियों, थोक उर्वरक विक्रेताओं तथा खुदरा उर्वरक / कृषि रक्षा रसायन विकेताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को नियमानुसार ही उर्वरक और कृषि रसायनों का वितरण किया जाये। जनपद के सभी उर्वरक विक्रेताओं को यह भी निर्देशित किया जाता है कि किसानों को दी जाने वाली रसीद बुक. स्टॉक और सेल रजिस्टर अपडेटेड रखें। उर्वरक का भौतिक स्टॉक एवं पी०ओ०एस० मशीन का स्टॉक समान होना चाहिए तथा विकय केन्द्रों पर स्टॉक और रेट बोर्ड जरूर लगा हो किसी भी दशा में यदि ओवर रेटिंग या टैगिंग (मुख्य उर्वरकों के साथ जबरदस्ती अन्य उत्पादों को किसानो को विक्रय करना) की शिकायत प्रकाश में आती है तो नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जायेगी। किसानों को नियमानुसार उर्वरक और कृषि रसायनों का वितरण सुनिश्चित कराने के लिए लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं तथा नियमानुसार विक्रय न करने तथा जमीन से अधिक विक्रय करने पर या अभिलेख पूर्ण न करने पर 03 उर्वरक लाइसेंस निरस्त कर दिये गये हैं तथा 08 उर्वरक लाइसेंस निलम्बित किये गये हैं, यदि नियमानुसार विक्रय न हुआ तो आगे भी सख्त कार्यवाही की जायेगी।

संभल की सच्चाई को छिपाने का किया गया प्रयास, सिखाएंगे सबक, आने वाली पीढ़ी करेगी याद:- सीएम योगी आदित्यनाथ

जनपद सम्भल में ₹659 करोड़ की 222 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया

चंदौसी मे एक बार आना भी है मुझे सुना है वहां बहुत बड़ी मूर्ति बनाई गई है - आदित्यनाथ योगी

चंदौसी/संभल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बहजोई आगमन पर संभल में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए संभल के भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह व प्रशासन ने भव्य तैयारियां की थीं। बहजोई में मुख्यमंत्री के पहुँचने पर चौधरी हरेंद्र सिंह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिले में चल रही विकास परियोजनाओं और जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। चौधरी हरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को जिले की मौजूदा स्थिति और जनता की अपेक्षाओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने जिलाध्यक्ष के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा सरकार जनता के हित में लगातार काम कर रही है और विकास की गति को और तेज किया जाएगा। इस दौरान योगी बोले कि संभल की चर्चा श्री मद भागवत पुराण मे भी हैं जो पुराण 5 हजार साल पहले रचा गया था। वेदव्यास ने महाभारत के युद्ध के बाद समय की शान्ति के लिए मुक्ति के लिए इस महापुराण की रचना की थी। संभल की दुरी कम करने के लिए 4 लाइन की कनेक्शविटी भी देंगे क्युकी संभल तो हम सबकी आस्था का प्रतीक है। इस पर लोगों ने जमकर तालियो से अभिबादन किया और जय श्री राम के नारे लगाए। योगी बोले जहाँ भगवान विष्णु और भगवान शिव के जहाँ शामिध्य रूप से दर्शन हो सकते हो वही है हरिहर।भगवान विष्णु का दसवा अवतार यहीं संभल मे होना है। रक्षाबंधन को लेकर योगी बोले कि रक्षाबंधन पर बहनों को बस मे कोई किराया नहीं देना होगा। जैसे पुलिसलाइन का काम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे ही लगभग 80 एकड़ क्षेत्रफल मे जिला मुख्यालय निर्माण के लिए जिसमे एक ही छत के नीचे जिला से जुड़े हुए सभी कार्य किए जाएंगे और जनता को वहां सभी प्रकार कि सुबिधाये मिलेंगी। इसी बीच योगी बोले कि चंदौसी को भी मिनी काशी के और मिनी वृंदावन के रूप मे पूजा जाता है बड़ी दूर दूर से लोग दर्शन करने के लिए चंदौसी के मंदिरो मे आते है। मुझे चंदौसी मे एक बार आना भी है मैने सुना है कि वहां बहुत बड़ी मूर्ति बनाई गई है। सीएम ने जनसभा से पहले 658.86 करोड़ की 220 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें डीएम कार्यालय और एकीकृत आवासीय भवन पर 155.1 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बृहस्पतिवार की सुबह 10.25 बजे सीएम का हेलिकॉप्टर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। सीएम ने पूजा अर्चना की और इसके बाद वह 11.15 बजे मंच पर पहुंचे। जहां मंच पर बैठे भाजपा के नेता व मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने उनका स्वागत किया। आगे कहा कि संभल में 68 तीर्थ और 19 कूप थे। परिक्रमा का मार्ग था। विदेशी आक्रांताओं ने तीर्थों को नष्ट करने का काम किया। सभी 19 कूप पर कब्जे कर लिए गए। परिक्रमा मार्ग तोड़ दिए और 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग बाधित कर दिया गया। माता अहिल्याबाई होल्कर ने इन तीर्थों का उद्धार किया था। माता अहिल्याबाई होल्कर ट्रस्ट द्वारा तीर्थों का सहयोग किया जाता है। सीएम ने कहा कि अब हमारी डबल इंजन की सरकार इन तीर्थ और कूप का विकास करेगी। यह विरासत है हमारी, इसलिए विकास कराना जरूरी है। सीएम ने कहा कि काशी और आयोध्या में विकास हो सकता है तो संभल में क्यों नहीं हो सकता। सरकार विकास भी कराएगी। लोक कल्याण कार्यक्रम भी कराए जाएंगे। सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। आगे कहा कि संभल जैसी सच्चाई को डबल इंजन की सरकार सामने ला रही है। पुनरोद्धार का जो कार्य आगे बढ़ाया गया है। उसको सावन मास में बढ़ाने का काम किया गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और आम जनता उपस्थित थी जिन्होंने मुख्यमंत्री के समर्थन में नारे लगाए। मुख्यमंत्री का यह दौरा संभल में भाजपा की स्थिति को और मजबूत करने वाला माना जा रहा है। जनसभा मे हजारो की तादात मे भीड़.थी इस दौरान परमेश्वर लाल सैनी, गुलाब देवी, ओमबीर खड़गवंशी, कमल वार्ष्णेय, राजेश शंकर राजू, सुशील अरोरा, अंकित जैन, मनोज कटहरिया, यश मदान आदि मौजूद रहे। सुरक्षा दृष्टिगत जनपद के आला अधिकारी मौजूद रहे।

गांवों की आबादी में पहुंचा बाढ़ का पानी, धार में बह गए खेत; अभी तो और बढ़ेंगी दुश्वारियां

गजरौला। गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी होने से किनारे पर बसे गांवों में दुश्वारियों पनपती जा रही हैं। बाढ़ का पानी गांवों की आबादी में पहुंच गया है। कुछ गांव में घरों की चौखट पर पानी पहुंचाने से ग्रामीणों ने अपने सामान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना शुरू कर दिया। पानी के बहने की रफ्तार भी बहुत तेज है। इसलिए फसलों के साथ खेत गंगा के बहाव के साथ बह रहे हैं। चारे का संकट मंडराने लगा है। हालांकि प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट है। लेखपाल गांव-गांव घूम रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अभी बाढ़ का सितम और बढ़ेगा। क्योंकि पहाड़ी जलाशयों से भारी मात्रा में पानी छोड़ने का सिलसिला जारी है। दरअसल, गुरुवार से खादर क्षेत्र में गंगा किनारे पर स्थित गांव मंदिर वाली भुड्डी, शीशो वाली, दारानगर, सुल्तानपुर, ओसिता जगदेपुर, कांकाठेर, तिगरी, रसूलपुर भंवर, रसूलपुर एहतमाली, देवीपुर उर्फ मोहसनपुर, पपसरी खादर, मुकरामपुर, शाहजहांपुर छात, रमपुर खादर, चांदरा फॉर्म, रानी बसतौरा, बिसाबली, कुई वाली, देव वाली, पट्टी खादर, झुंडपुरा, अलीनगर, चकनवाला ऐतवाली बाढ़ प्रभावित हैं। गांव कांकाठेर में पानी की धार से किसानों के फसल लगे खेत कटकर बह रहे हैं। दारानगर, मंदिर वाली भुड्डी और टीकोवाली में पानी आबादी में आ गया है। शीशोवाली गांव के प्रधान पति हरपाल सिंह ने बताया कि पानी घरों तक आ गया है। गांव के लोग सामान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा रहे हैं। रामगंगा पोषक नहर के ऊपर बने पुल से ढाकोवाली को जाने वाले मार्ग पर पानी ही पानी भरा हुआ है। उधर, बिजनौर बैराज से पानी छोड़ने का क्रम भी जारी है। गुरुवार को गंगा के जलस्तर में 25 सेमी की वृद्धि हुई है। बुधवार को गंगा का गेज 200.70 मीटर पर था जो, गुरुवार को 200.95 मीटर पर है। वहीं बिजनौर बैराज से 2.68 लाख क्यूसेक से अधिक पानी डिस्चार्ज किया गया है। यह पानी देरशाम तिगरी में पहुंच गया। इससे साफ है कि जब यह पानी भी यहां पर पहुंचेगा तो हालात और बिगड़ेंगे। उधर, वर्तमान में भी पानी भरने की वजह से बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर होने लगा अंतिम संस्कार, अंत्येष्टि स्थल भी पानी से घिरा तिगरी में सबकुछ पानी-पानी हो गया है। घाट डूब गए हैं और कई-कई फीट पानी खड़ा है। ऐसी स्थिति में हाईवे को जोड़ने वाले रास्ते के किनारों पर लोगों ने अंतिम संस्कार करना शुरू कर दिया है। इस रास्ते के किनारे पर बने दो अंत्येष्टि स्थल पर भी चिता जल रही हैं। लेकिन, अंत्येष्टि स्थल के चबूतरे से नीचे पानी ही पानी भरा हुआ है।

संभल में शहर के बाद अब मंडी समिति में चलेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान, 45 दुकानदारों को दिया नोटिस

संभल। मंडी समिति परिसर में अतिक्रमण पर जल्द प्रशासन कार्रवाई करेगा। प्रशासन ने 45 दुकानदारों को नोटिस देकर 15 दिन में अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी है। विकास कार्यों को गति देने के लिए शहर के प्रमुख चौराहों के साथ साथ अंदर भी सड़क व नालों पर किए गए अतिक्रमण को को चिह्नित कर नोटिस दिए गए थे। जहां बाद में कार्रवाई करते हुए उनको हटवा भी दिया गया था। इससे शहर की रौनक बढ़ने के साथ साथ आवागमन में भी काफी सहूलियत मिली थी। मगर इसके साथ साथ प्रशासन की ओर से अब मंडी समिति परिसर में भी अतिक्रमण को हटवाने की तैयारी की जा रही है, जिसके लिए सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार सोनी व मंडी सचिव मोहित फौजदार की ओर से परिसर परिसर में करीब 45 स्थान पर अतिक्रमण को चिंहित किया गया और उसके बाद उन व्यापारियों को नोटिस जारी किया गया। नोटिस में 15 दिन के अंदर स्वयं ही अतिक्रमण हटाने को कहा गया है। साथ ही ऐसा न करने पर अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि यदि नोटिस सीमा के बाद भी यदि इस अतिक्रमण को नहीं हटवाया जाता है तो मंडी समिति में अभियान चलाकर अतिक्रमण को हटवाया जाएगा।

अटल सरोवर परिसर में बनाया गया शहीद स्मृति उपवन

हापुड़ (सब का सपना) बाबर अली:- अतुल्य गंगा टस्ट एवं निदेशालय सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास लखनऊ उ प्र के तत्वावधान में ग्राम बनखंडा में स्थित अटल सरोवर परिसर में वीर नारियों, अतुल्य गंगा ट्रस्ट के सदस्यों, पूर्व सैनिकों व शहीद के परिजनों ने शहीदों की स्मृति में पौधारोपण कर शहीद स्मृति उपवन बनाया तथा रोपित पौधों के संरक्षण का भी दायित्व लिया। पौधारोपण से पूर्व वीर नारियों द्वारा परिसर में श्रद्धांजलि स्वरूप लगाये गये शिलापट्ट का फीता काट कर शुभारम्भ किया गया। शहीद स्मृति उपवन में कुल एक हजार पौधे रोपित किये गए। शहीद स्मृति उपवन निर्माण में 09 डीव ,56 फील्ड रेजिमेंट मेरठ, ई बी एस बाबूगढ़, 38 बटालियन एन सी सी हापुड़, पूर्व सैनिक, ग्राम प्रधान बनखंडा सुरेश कुमार व अतुल्य गंगा टस्ट के सक्रिय सदस्य रोहित जाट की विशेष भूमिका रही। आयोजन में ले. जनरल विकास रोहिला डी जी लेंड व एनवायरनमेंट मुख्य अतिथि व ब्रिगेडियर जितेन्द्र कुमार तोमर वीर चक्र विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर अतुल्य गंगा ट्रस्ट के सदस्य मेजर जनरल विनोद भटट्, मेजर जनरल ब्रजेश कुमार, गोपाल सिंह, ले कर्नल लोहुमी, कमांडर आमोद चौधरी, अवधेश त्यागी, कर्नल प्रेम प्रकाश, 38 बटालियन एन सी सी कमांडेंट कर्नल श्रीकांत नटराजन, 56 फील्ड रेजिमेंट के कमांडिंग अफसर कर्नल नवीन शर्मा, जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी ले०कर्नल विवेक सिंह, जिला वन अधिकारी अर्शी मलिक, रेंज अधिकारी मुकेश कंडपाल, एस होस्पिटल के डायरेक्टर मनोज शिशौदिया, वीर नारी गिरिराजो, मुनकेश देवी,बबीता, ज्योति शर्मा, शहीद परिजन गजेंद्र त्यागी, राजपाल सिंह, सतीश सिंह, बबली कैप्टन महीपाल,व पूर्व सैनिक वारंट आफिसर मनबीर सिंह, कैप्टन राजेश चौधरी कैप्टन महीपाल, कैप्टन गोपीचंद, सूबेदार मेजर ओम बीर सिंह, सूबेदार समर पाल सूबेदार जगदीश चौहान कैप्टन महेश, हवलदार शाहिद अली, हवलदार आदिल चौधरी, सूबेदार रतनपाल, सूबेदार चंद्र बीर, सूबेदार चमन सिंह, सूबेदार इंद्रपाल, सूबेदार मेजर देवी सिंह, हवलदार आरिफ, सूबेदार किरन पाल, हवलदार अशोक आदि काफी संख्या में पूर्व सैनिक व ग्राम/क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

परिवार सोता रहा बेखबर, नकाब लगाकर चोरों ने उड़ाए जेवरात और नकदी

चंदौसी। कोतवाली क्षेत्र के गांव कैथल में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। परिवार के लोग घर के आंगन में सोता रहे और चोरों ने घर के पीछे की दीवार में नकब लगाया और कमरे के अंदर से जेवरात व सामान चोरी करके ले गए। सुबह जागने के बाद घर में चोरी होने की जानकारी हुई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित से जानकारी ली। प्राथमिकी को लेकर पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है। कृपाल सिंह पुत्र गजराम सिंह बुधवार की रात गर्मी होने के कारण परिवार के साथ घर के आंगन में सो रहे थे। इसी दौरान रात को किसी समय चोरों ने घर के पीछे की दीवार को तोड़कर कमरे के अंदर घुस गए और जेवरात, नकदी व अन्य सामान चोरी करके ले गए। रात दो बजे करीब कृपाल की आंख खुली तो उसने कमरे में गए और वहां की स्थिति देखी, तो उनके होश उड़ गए। सारा सामान बिखरा पड़ा था और कमरे के अंदर अलमारी से सोने, चांदी के जेबरात, कीमती सामान और 28 हजार की नकदी गायब थी। चोरी की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। चोरी की घटना से गांव वालों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में रात्रि में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

भाकियू (संघर्ष) के कार्यकताओं ने किया तहसील मुख्यालय का घेराव

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन संघर्ष (अराजनैतिक) के जिलाध्यक्ष हापुड़ राजेंद्र, प्रधान के नेतृत्व में किसानों की विभिन्न समस्याओं को देखते हुए तहसील मुख्यालय गढ़मुक्तेश्वर का घेराव कर किसने की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि विद्युत विभाग द्वारा लोगों के घरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे है भाकियू संघर्ष (अराजनैतिक) इसका पूर्ण रूप से विरोध करती है अगर किसी के भी घर पर स्मार्ट मीटर लगाने की कोशिश की गई तो हमारा संगठन आंदोलन करने के लिए मजबूर है। जनपद की दोनों चीनी मिले सिम्भावली व ब्रजनाथपुर शुगर मिलो द्वारा किसानों का करोड़ों रुपए बकाया गन्ना भुगतान अभी तक नहीं किया गया शीघ्र ही किसानों का गन्ना भुगतान कराया जाए। आवारा पशुओं के कारण प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाएं होती हैं एवं आम जन मानस को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है जल्द उचित समाधान हो। किसान को राशन कार्ड बनवाने व नाम जुड़वाने के लिए तहसील के 10-10 बार चक्कर काटने के बाद भी किसान के काम को तहसील प्रशासन प्राथमिकता नहीं देता किसान की समस्या को अनदेखा न करा जाएं। किसान आयोग का गठन हो। कोटला खादर में भूमाफियों ने किसानों की जमीनों पर अवैध कब्जे किए हुए है जल्द किसानों की जमीनों का कब्जा मुक्त कराया जाए और भूमाफियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

गरीब महिला को घर बनाने के लिए दिए पचास हजार रुपए

हापुड़ (सब का सपना):- आर डी एच फाउंडेशन ने मेरठ गौतम नगर की रहने वाली मजबूर गरीब महिला को घर बनाने के लिए पचास हजार रुपए अनुदान राशि सहायता दी। 25 विधवाओं को 1100सौ -1100 सौ रुपए नगद अनुदान राशि सहायता दी गई। इस दौरान रक्षाबंधन के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए 77 महिलाओं को साड़ी दी गई। इस दौरान आर डी एच फाउंडेशन एनजीओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह, उप राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित राजपूत, राष्ट्रीय सलाहकार रतन सिंह चौहान, निर्देशक, बरन सिंह, मांगे सिंह, कैलाश सिंह, अशोक सिंह , राष्ट्रीय सचिव के श्याम अग्रवाल, राष्ट्रीय ,उपसचिव मोहित सिंह उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान उप उतर प्रदेश अध्यक्ष मोनू चौहान,पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रोहित चौहान, संजय चौहान, दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष जॉली चौहान, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज चौहान, दिल्ली प्रदेश सालकर कुलदीप चौहान,मंडल अध्यक्ष रीना राजपूत, अनीता केवट, मेरठ मंडल अध्यक्ष हरि प्रकाश गुप्ता, हापुड़ जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह उपजिला जिला अध्यक्ष हर शरण प्रजापति, गजरौला अध्यक्ष विकास, चौहान ,हसनपुर अध्यक्ष नरेश चौहान, जिला गाजियाबाद अध्यक्ष प्रेमचंद चौहान, बागपत अध्यक्ष सुंदरी शर्मा, अध्यक्ष में राम सिंह राजपूत ,मनीष राजपूत, अंजली राजपूत ,रितु राजपूत, छोटे अंजली राजपूत, सोनू राजपूत, ग्राम अध्यक्ष बाबूगढ़ रहीश कुमार, गौतम बुद्ध नगर महिला अध्यक्ष मनीष शर्मा , गौतम बुद्ध नगर अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा , मुरादाबाद अध्यक्ष आलोक चौहान राय अध्यक्ष आकाश चौहान, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष मुकेश रंजन , जिला अंबेडकर नगर, अध्यक्ष बृजलाल कीर्ति माला , लोनी अध्यक्ष अनिल कुमार , मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में पीएआई संस्करण 2.0 पर कार्यशाला आयोजित

डीएम, सीडीओ व डीपीआरओ ने दी विस्तृत जानकारी

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को पंचायत स्तर के डाटा सत्यापन एवं पंचायत मूल्यांकन सूचकांक (पीएआई) संस्करण 2.0 को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी संजय चौहान ने की। सीडीओ सूरज पटेल और डीपीआरओ मनोज त्यागी ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में बताया गया कि पीएआई 2.0 के अंतर्गत जुलाई 2025 से नवंबर 2025 तक ग्राम पंचायत से राज्य स्तर तक चरणबद्ध तरीके से डाटा एकत्रीकरण, अपलोडिंग और सत्यापन किया जाएगा। ग्राम पंचायत सचिव व संकल्प (फैसिलिटेटर) द्वारा गांव से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों की सूचनाएं एकत्र कर पोर्टल पर अपलोड की जाएंगी। इन सूचनाओं में आंगनबाड़ी केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय आदि संस्थानों का भौतिक निरीक्षण शामिल रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर डाटा प्रविष्टि के बाद ब्लॉक स्तर पर संबंधित विभागों द्वारा सत्यापन किया जाएगा। किसी भी त्रुटि की स्थिति में डाटा पुनः ग्राम पंचायत को संशोधन के लिए भेजा जाएगा। तत्पश्चात जिला स्तर पर डीएलवीटी टीम द्वारा अंतिम सत्यापन किया जाएगा और राज्य टीम को ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाएगा। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी तय समयसीमा के भीतर अपने-अपने कार्य पूरे करें। उन्होंने कहा कि सटीक और समय पर डाटा प्रविष्टि व सत्यापन से पंचायतों के प्रदर्शन का सही मूल्यांकन हो सकेगा, जिससे राज्य एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों में ग्राम पंचायतों को स्थान दिलाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सारी सूचनाओं पब्लिक फोरम पर उपलब्ध रहेंगे। डीएम ने मीडिया से भी उनका क्रॉस वेरिफिकेशन कर सूचित करने की बात कही। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारी, और विभिन्न समाचार-पत्रों/चैनलों से मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सरकारी विद्यालय में भर बारिश का अपनी पढ़ाई हुई बाधित, नगर पंचायत कर रही पानी की निकासी

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- गुरुवार को दिन मे इंजन लगाकर स्कूल के अंदर भरे पानी को निकाला जा रहा हैं बीते कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते अमेठी के एक प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण और कक्षाओं में भारी जलभराव हो गया है। जलभराव की स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि विद्यालय को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। विद्यालय प्रशासन की सूचना पर नगर पंचायत द्वारा दो दिनों से लगातार जल निकासी का कार्य किया जा रहा है। शिक्षा विभाग और नगर पंचायत के संयुक्त प्रयास से स्कूल परिसर में भरे पानी को पंपिंग मशीनों के माध्यम से बाहर निकाला जा रहा है। विद्यालय में कई दिनों से पानी जमा होने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द से जल्द जलनिकासी का कार्य पूरा कर स्कूल को पुनः संचालित किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका की लचर व्यवस्था को लेकर नाराजगी जाहिर की है और मांग की है कि ऐसी स्थिति से बचाव के लिए स्थायी समाधान निकाला जाए।

ड्यू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राम माधव ने बदलती दुनिया पर डाला प्रकाश, कहा- भारत 21वीं सदी के लिए तैयार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य राम माधव ने कहा है कि विश्व बदल रहा है। जिस नए युग में हम प्रवेश कर रहे हैं वह पुरानी शताब्दी जैसा नहीं है। नई शताब्दी इकॉनमी और टेक्नोलॉजी की है। वह दिल्ली विश्वविद्यालय एवं जिज्ञासा डीयू के संयुक्त तत्वावधान में उनकी लिखी पुस्तक ह्वाद न्यू वर्ड-21 सेंचुरी ग्लोबल आर्डर एंड इंडिया पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। 'आज चीन की जीडीपी हमारे से ऊपर' माधव ने कहा, हम चौथे औद्योगिक क्रांति के युग में प्रवेश कर रहे हैं। यह युग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। विज्ञान का हर क्षेत्र हमारे जीवन को प्रभावित कर रहा है। हम मेटा ह्यूमेन्स के युग में प्रवेश कर रहे हैं। आज वर्चुअल क्लासरूम का युग आ चुका है। आने वाले समय में रोबोट क्लास लेंगे। आरंभ में अमेरिका विकसित राष्ट्र था। चीन ने 1980-90 में सोचा कि अगर हमें विकसित राष्ट्र बनना है तो अपनी अर्थव्यवस्था को और व्यापार क्षमता को कैसे विकसित करना है। 1980 में चीन और भारत एक समान थे और एक बराबर जीडीपी स्तर था। आज चीन की जीडीपी हमारे से ऊपर है। उन्होंने कहा कि पुस्तक में इन सब विषयों पर गहनता से विश्लेषण किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बहुत सी चीजें बुरी हुई तो कुछ अच्छी चीजें भी हुई। उन्होंने कहा कि उपनिवेशवाद के अंत की शुरूआत इस युद्ध के बाद हुई। हमें भी 1947 में उपनिवेशवाद से मुक्ति मिली। आज वर्ड आर्डर बहुत तेजी से बदल रहा है। पुस्तक के बारे में दी जानकारी कुलपति ने उपरोक्त पुस्तक के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि राम माधव ने इस पुस्तक में वैश्विक परिदृश्य के साथ भारत की व्यवस्था एवं विकसित भारत पर बहुत ही व्यापक तरीके से विश्लेषण किया है। उन्होंने कहा, आज का भारत, जिसकी सबसे बड़ी धुरी लोकतंत्र है, 21वीं सदी की विश्व व्यवस्था में अपना उचित स्थान पाने के लिए पूरी तरह तैयार है। शुरूआत में दक्षिणी परिसर की अध्यक्ष प्रो. रजनी अब्बी ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर डीन आफ कालेजेज प्रो. बलराम पाणी, रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, जिज्ञासा डीयू की ओर राज कुमार भाटिया और प्रो. राकेश पांडे आदि मौजूद रहे।

दिल्ली पुलिस में रिश्वतखोरी सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार, थानेदार निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस में भ्रष्टाचार तेजी से पनपते जा रहा है। दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट और सीबीआई के पास पुलिसकर्मियों द्वारा रिश्वत मांगने और लेने की शिकायत पहुंचने पर ये एजेंसियां आए दिन पुलिसकर्मियों को रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार कर रही हैं। ताजा मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तरी रोहिणी थाने में तैनात दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर विजय सिंह को 40 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। मामले की गंभीरता को लेकर पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह के निर्देश पर आला अधिकारी ने सब इंस्पेक्टर विजय सिंह के अलावा उत्तरी रोहिणी थाने के एसएचओ खालिद हुसैन को भी निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी है। खालिद हुसैन 1996 बैच के इंस्पेक्टर हैं। इससे पहले विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी तैनात तुगलक रोड थाने में थी। वहां से एक सप्ताह बाद ही उन्हें हटा दिया गया था। पुलिस अधिकारी का कहना है इंस्पेक्टरों पर तीन साल ही एसएचओ बने रहने की पाबंदी लगाने से ही भ्रष्टाचार तेजी से पनपते जा रहा है। इंस्पेक्टर खालिद करीब छह माह ही एसएचओ पर रहे। पुलिस अधिकारी का कहना है कि तीन साल की पाबंदी लगाने के कारण ही एसएचओ इलाके की कानून व्यवस्था को सुधारने के बजाए दूसरे अन्य कामों में लगे रहते हैं। इस पाबंदी को हटाने पर ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लग पाएगा। चार साल पहले इस तरह का नियम बनाने के बाद से ही दिल्ली पुलिस में भ्रष्टाचार तेजी से पनपा है। पांच अगस्त को एक व्यक्ति ने सीबीआई में शिकायत कर आरोप लगाया नार्थ रोहिणी थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर विजय सिंह उनके चचेरे भाई को गिरफ्तार न करने और अग्रिम जमानत दिलाने में मदद करने के एवज में 50 हजार रुपये रिश्वत मांग रहा है। बातचीत के बाद सब इंस्पेक्टर 40 हजार रुपये लेने के लिए सहमत हो गया। इनकी शिकायत पर केस दर्ज कर सीबीआई ने पांच अगस्त को शिकायतकर्ता से 40 हजार रिश्वत लेते पकड़ लिया। एसआई विजय सिंह एसएचओ खालिद हुसैन का करीबी बताया जा रहा है।

दिल्ली में पुलिस ने दो चेन लुटेरे को किया गिरफ्तार, 500 सीसीटीवी ने खोला पूरा राज

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस ने 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इन्होंने पिछले महीने एक महिला डॉक्टर सहित दो महिलाओं के गले से सोने की चेन लूटी थी। एक बदमाश के खिलाफ विभिन्न थानों में 40 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पुलिस को चकमा देने के लिए बदमाश दिल्ली के कई इलाकों में घूमते हुए एक्सप्रेस वे होते हुए कालिंदी कुंज बॉर्डर से फिर राजधानी में घुस गए। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि बदमाशों की पहचान पुल प्रह्लादपुर निवासी दानिश उर्फ चिंटू और तिलकनगर शाहपुरा निवासी आशीष तनेजा उर्फ भतीजा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे लूट की छह सोने की चेन, एक सोने का हुक, चोरी की बाइक, वारदात में इस्तेमाल 400 सीसी की बाइक बरामद की है। पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी से सात मामलों का निपटारा किया है। 25 जुलाई को सफदरजंग एन्क्लेव थाने में एक महिला डाक्टर ने शिकायत दी थी कि वह शाम करीब तीन बजे ग्रीन फील्ड स्कूल के सामने अपनी कार के पास खड़ी थी। इसी बीच बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और उन्हें धक्का देकर गले से सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू की। इस दौरान पता चला कि उसी दिन इन्हीं आरोपितों ने मुखर्जी नगर में भी वारदात की। वारदात के बाद कई जगह घूमे और फिर दिल्ली में घुसे बदमाश पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखी तो इसमें आरोपित अलग अलग लोकेशन से जाते हुए नजर आए। फुटेज में बदमाश निरंकारी कालोनी, बुराड़ी, आइएसबीटी, हनुमान मंदिर, गीता कॉलोनी फ्लाईओवर, लक्ष्मी नगर, सुखरपुर, अक्षरधाम मंदिर, एनएच 24 मेरठ एक्सप्रेसवे व पांडव नगर पहुंचे। यहां से बदमाशों ने एक्सप्रेस वे पर यू-टर्न लिया, फिर नोएडा की ओर बाएं मुड़कर मयूर विहार सीमा पार की। फिर महामाया फ्लाईओवर के रास्ते नोएडा में प्रवेश किया। इसके बाद कालिंदी कुंज बॉर्डर से फिर दिल्ली में घुस गए। पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए 70 किलोमीटर से अधिक के दायरे में दिल्ली और नोएडा, उत्तर प्रदेश के 8 जिलों में लगे 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। इसके बाद दानिश उर्फ चिंटू को पुल प्रह्लादपुर और आशीष तनेजा उर्फ भतीजा को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया। चिंटू गैंग चलाता है गैंगस्टर दानिश, लेता है प्रोटेक्शन मनी आरोपित दानिश उर्फ चिंटू पुल प्रह्लादपुर का बीसी है।

1500 सीसीटीवी खंगाले और, यूं ही हत्थे नहीं चढ़ा महिला सांसद से चेन लूटने वाला सोहन, सामने आई ये अहम बात

दक्षिणी दिल्ली। तमिलनाडु से कांग्रेस की महिला सांसद आर सुधा से बीते सोमवार को अतिसुरक्षित इलाके चाणक्यपुरी स्थित पोलैंड दूतावास के बाहर सोने की चेन झपटने वाले झपटमार की दक्षिण जिला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सांसद आर सुधा जब सुबह 6.20 बजे एक महिला राज्य सभा सदस्य के साथ मॉर्निंग वॉक कर रही थी तभी स्कूटी सवार बदमाश उनके गले से चेन झपट लिया था। चेन झपटने से महिला सांसद घायल हो गई थी। घटना के तुरंत बाद सांसद द्वारा गृह मंत्री से शिकायत करने पर पुलिस की नींद उड़ गई थी। जानकारी के अनुसार, झपटमार मोती बाग फ्लाईओवर से झपटमारी करने चाणक्यपुरी आया था, जिससे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज से मिले सुराग के आधार पर पुलिस को शक हुआ कि झपटमार दक्षिण या दक्षिण पूर्वी जिले का हो सकता है। वहीं, इसी शक के आधार पर नई दिल्ली, दक्षिण और दक्षिण पूर्वी जिले की 50 पुलिसकर्मियों की टीम को जांच में लगा दिया गया। स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच को भी जांच में जुट गई। करीब 1500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल और 200 संदिग्धों से पूछताछ के बाद पुलिस को बदमाश सोहन राव सोनू उर्फ बुग्गू की पहचान कर उसे पकड़ने में कामयाबी मिल गई। उसे बीआरटी रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। सोहन के खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में लूट, चोरी, छिनैती आदि के 26 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। बताया गया कि 4 अगस्त को बदमाश ने चाणक्यपुरी स्थित तमिलनाडु हाउस के पास सांसद आर सुधा से चेन झपट ली थी। जिसके बाद वीवीआइपी इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ गए थे। पुलिस ने झपटमार का पता लगाने के लिए 1500 सीसीटीवी कैमरे खंगाले।

एमसीडी भ्रष्टाचार मामले में आरोपी को नहीं मिली जमानत, सीबीआई अदालत ने जमानत याचिका की खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में भ्रष्टाचार के संगठित सिंडिकेट से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपित भविष्य को अदालत से कोई राहत नहीं मिली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष सीबीआईअदालत ने आरोपित की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह मामला केवल व्यक्तिगत रिश्वतखोरी का नहीं, बल्कि एक संगठित घोटाले का हिस्सा हो सकता है। विशेष न्यायाधीश ज्योति क्लेर ने कहा कि भले ही आरोपित का नाम प्राथमिकी में नहीं है, लेकिन सह-आरोपित के बयान काफी गंभीर हैं। अदालत ने कहा कि आरोपित पर सिंडिकेट के सक्रिय सदस्य होने का संदेह है। कोर्ट ने कहा कि अब तक सामने आए तथ्यों से यह प्रतीत होता है कि यह मामला एक संगठित भ्रष्टाचार रैकेट से जुड़ा है, जिसकी तह तक पहुंचना जरूरी है। ट्रैप में पकड़ा गया था आरोपित सीबीआई ने 10 जुलाई 2025 को एक ट्रैप ऑपरेशन के तहत आरोपित भविष्य को गिरफ्तार किया था। इस दौरान उसके साथ मौजूद सह-आरोपित सुनील बेलदार को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। इसके अलावा, कार की सीट के नीचे से 19.90 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए थे। सीबीआईके मुताबिक, आरोपित भविष्य, सुनील बेलदार और एमसीडी के फरार जेई दुष्यंत मिलकर एक रिश्वत सिंडिकेट चला रहे थे, जो अवैध निर्माण कार्यों को नजरअंदाज करने की एवज में मोटी रकम वसूलता था। बरामद नकदी भी इसी सिंडिकेट की वसूली बताई गई है। सीबीआई ने यह भी आरोप लगाया कि भविष्य जांच में सहयोग नहीं कर रहा और पूछताछ के दौरान गोलमोल जवाब दे रहा है।

दिल्ली विधानभवन के कमरों पर 'कब्जा' : 25 समितियों के अध्यक्षों के पास मात्र 11 कमरे, सदन में उठा मुद्दा

दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र में समितियों के लिए कमरों की कमी का मुद्दा उठा। लगभग 25 समितियों के लिए केवल 11 कमरे होने से कई अध्यक्षों के पास कार्यालय नहीं हैं। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने शिक्षा विभाग और फामेर्सी काउंसिल द्वारा कमरों पर कब्जे की बात कही और मुख्य सचिव से कमरे खाली कराने को कहा गया पर कुछ नहीं हुआ।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में चल रहे मानसून सत्र के चौथे दिन समितियों के लिए कमरों की संख्या को लेकर मुद्दा उठाया गया। दरअसल, विधानसभा की लगभग 25 समितियां हैं लेकिन उनके लिए कमरे मात्र 11 ही हैं। इसलिए ज्यादातर समितियों के अध्यक्षों के पास कोई कमरा नहीं है। इस संबंध में एक समिति के अध्यक्ष ने मुद्दा उठाया तो विधानसभा का माहौल गर्मा गया। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता भी नाराज हो गए। उठा कमरों की कमी का मामला विधानसभा की लगभग 25 समितियों के लिए मात्र 11 कमरों का मामला तूल पकड़ने पर स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि शिक्षा विभाग और फामेर्सी काउंसिल यहां काफी कमरों पर कब्जा करके बैठे हैं। मुख्य सचिव से भी ये कमरे खाली कराने को कहा जा चुका है लेकिन कुछ नहीं हुआ। अब सरकार को ही देखना होगा। इस पर सरकार की ओर से मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि सरकार इस मसले पर काम कर रही है। जल्द ही कुछ ठोस कदम उठाया जाएगा। इसी बीच विधायकों को भी विधानभवन में जल्दी ही कार्यालय दिलाने का आश्वासन दिया गया। सदन में उठाये गए विधानसभा क्षेत्रों के मुद्दे स्पीकर के आदेश पर विशेष उल्लेख (नियम संख्या 280) के तहत चर्चा शुरू होने पर भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने कहा कि मालवीय नगर में बिलों की रीडिंग नियमित नहीं ली जाती। औसत उपभोग के आधार पर बिल भेज दिए जाते हैं। ये बिल बहुत ज्यादा होते हैं जो लोगों की परेशानी का कारण बनते हैं। कृपया इस पर गंभीरता से संज्ञान लिया जाए। वहीं, बीजेपी एमएलए कुलवंत राणा ने एक विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थ का बाजार बढ़ता जा रहा है। हर चीज ही नकली आने लगी है। ऐसी स्थिति पर काबू पाने के लिए सख्त नियम बनाए जाने की जरूरत है। सजा के तौर पर सीधे फांसी का प्राविधान होना चाहिए। उधर, भाजपा विधायक संजय गोयल ने कहा, "मेरी विधानसभा में शराब की 17 दुकानें हैं। एक जगह तो डेढ़ किमी के दायरे में 8 दुकानें हैं। वहीं पर खाने का सामान मिल जाता है। महिलाओं और बच्चों का वहां से गुजरना मुश्किल हो गया है। बिहारी कॉलोनी में तो और भी बुरा हाल है। सुबह 10 से शाम 6 बजे तक ही शराब की दुकाने खुलें।"

ट्रेनों का संचालन शुरू करने के लिए सोनू यज्ञ सैनी ने दिया पत्र

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- गुरुवार को उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने निहालगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। जिसमें स्टेशन की समस्याओं से को देखते हुए उसको तत्काल सुधारने के लिए डीआरएम को निर्देश दिया। साथ ही जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सोनू यज्ञसैनी ने महाप्रबंधक को पत्र दिया कि हावड़ा एक्सप्रेस महाकाल सहित कई अन्य ट्रेन बंद है।जिसको तत्काल शुरू किया जाए।साथ ही कैंटीन वेंडर बढ़वाने की मांग की है। इस मौके पर सुरेश यज्ञसैनी,मुन्ना त्रिवेदी, आशीष दीक्षित, रजत मिश्रा विजय कौशल, दीपक मौर्या उत्तम तिवारी, हिमांशु बचपेई, शादाब खान,सहित क्षेत्र के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

तमंचे के साथ 1 नफर अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कमरौली पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान अभियुक्त हरिओम मिश्रा पुत्र अशोक मिश्रा निवासी ग्राम मछरिया थाना जगदीशपुर जनपद अमेठी उम्र करीब 22 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद तमंचा व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ । गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना कमरौली पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

पुलिस के प्रयास से विवाहित जोड़ा पुनः साथ रहने को हुआ राजी

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के तहत कंचन सिंह प्रभारी निरीक्षक महिला मय टीम द्वारा पति-पत्नी के बीच चल रहे विवादों के संबंध में शिकायतों को सुना गया तथा समस्याओं को सुलझाते हुए पति-पत्नी को साथ रहने के लिए समझाया गया । जिसमें 01 विवाहित जोड़ा राजी खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गया तथा अमेठी पुलिस को धन्यवाद दिया। अमेठी पुलिस द्वारा उनको आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गईं ।

गंदगी देख डी. आर. एम. ने जताई नाराजगी

सुमेरपुर हमीरपुर। औचक निरीक्षण में आये उत्तर मध्य रेलवे झांसी के डीआरएम ने स्टेशन पर गंदगी देखकर स्टेशन मास्टर को कड़ी फटकार लगाते हुए स्टेशन में कूड़ादान लगवाने के निर्देश दिए। प्लेटफार्म के सुंदरीकरण में जगह जगह टाइल्स टूटी पाए जाने पर कहा कि ठेकेदार से बगैर भुगतान दिए कार्य कराया जाये। इसके बाद वह बांदा के लिए रवाना हो गये। उत्तर मध्य रेलवे झांसी के डीआरएम अजय प्रताप सिंह ने दोपहर में रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। स्टेशन परिसर में गंदगी पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए स्टेशन मास्टर अमानुद्दीन को कूड़ा दान लगाने के निर्देश दिए। प्लेटफार्म के सुंदरीकरण के बाद जगह जगह टाइल्स टूटी देखकर उन्होंने ठेकेदार से बगैर भुगतान दिए कार्य कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि ने उन्हें 6 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। जिसमें हरिद्वार जबलपुर एक्सप्रेस को पुनः शुरू कराने, इंटरसिटी एवं मेमू ट्रेनों की संख्या बढ़ाने, गरीब रथ एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित करने, प्लेटफार्म संख्या दो एवं तीन में तीन में टीनशेड लगवाने, स्टेशन से गेट संख्या 31 तक नाला निर्माण कराने तथा सभी प्लेटफार्मों में कोच पोजिशनल प्रणाली लगाने की मांग की है।

कुरुक्षेत्र में गाय के गोबर से तैयार की ये स्पेशल राखी, बॉर्डर पर जवानों को बांधने जाएंगे बच्चे

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र में गाय के गोबर से भाई-बहन के पवित्र त्यौहार के लिए खास राखियां तैयार की जा रही हैं। प्रदेश में इस रक्षाबंधन पर गाय के गोबर से बनाई जा रही स्वदेशी राखियां करीब 21 हजार कलाईयों की रौनक बनेंगी। इस त्यौहार पर 9 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर सेवा भारती संस्था के बच्चे और अन्य सदस्य बॉर्डर पर तैनात जवानों को राखी बांधने जाएंगे।
गोमय स्वावलंबी यात्रा संयोजक तरुण जैन ने बताया कि गाय के गोबर से ये खास राखियां वात्सल्य वाटिका में तैयार की जा रही हैं। इन राखियों को तैयार करने के लिए गोमय पाउडर, इमली पाउडर का प्रयोग किया जा रहा है। वहीं खुशबू के लिए तुलसी के बीजों का प्रयोग किया गया है। स्वामी हरिओम वात्सलय वाटिका ने बताया कि इन राखियों को देश की सरहद पर तैनात सैनिकों की कलाईयों पर बांधने के लिए भी भेजा जाएगा। योजक तरुण जैन ने बताया कि इन राखियों को बच्चों ने कड़ी मेहनत के साथ बनाया। वह स्कूल से आने के बाद राखियों को बनाते थे।

यमुनानगर के प्राइवेट हॉस्पिटल में आयुष्मान के तहत इलाज बंद

यमुनानगर : केंद्र सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक, आयुष्मान भारत योजना, अब हरियाणा में प्राइवेट अस्पतालों के लिए गले की फांस बनती जा रही है। हरियाणा में प्राइवेट अस्पतालों ने इस योजना के तहत इलाज करना बंद कर दिया है। उनका कहना है कि सरकार द्वारा पिछले 5 महीनों से लंबित भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उन्हें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (क्टअ) के आह्वान पर यह कदम उठाया गया है। क्टअ ने स्पष्ट किया है कि 14 अगस्त तक प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान योजना के अंतर्गत किसी भी मरीज का इलाज नहीं किया जाएगा। अगर इस दौरान कोई समाधान नहीं निकलता, तो 14 अगस्त के बाद और कड़ा फैसला लिया जा सकता है।

मरीजों की बढ़ी परेशानी

इस फैसले के चलते मरीजों और उनके परिजनों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई मरीज पहले से इस योजना के तहत इलाज करवा चुके थे, लेकिन अब उन्हें अस्पतालों से वापस लौटना पड़ रहा है। एक मरीज के परिजन ने दुख व्यक्त करते हुए कहा, "हमने पहले आयुष्मान योजना के तहत इलाज कराया था, लेकिन अब इलाज नहीं हो रहा। हमारे पास पैसे नहीं हैं, अब हम भगवान के भरोसे हैं।"गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज हुए प्रभावित

यमुनानगर के कई प्राइवेट अस्पतालों में कैंसर, हर्निया और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीज इलाज के लिए पहुंचे, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। मरीजों और उनके तीमारदारों ने सरकार से गुहार लगाई है कि प्राइवेट अस्पतालों का बकाया भुगतान तुरंत किया जाए, ताकि आयुष्मान योजना के तहत इलाज दोबारा शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीबों के लिए वरदान है, लेकिन इलाज रुकने से भारी परेशानी हो रही है।

हरियाणा मेडिकल एसोसिएशन का बयान हरियाणा मेडिकल एसोसिएशन के महासचिव डॉ. जे. के. गुलाटी ने बताया कि यमुनानगर में करीब 30 प्राइवेट अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत मरीजों का इलाज करते हैं। लेकिन पिछले 5 महीनों से सरकार ने अस्पतालों का भुगतान नहीं किया है। उन्होंने कहा, "हमने कई बार सरकार और स्वास्थ्य मंत्री से भुगतान रिलीज करने की मांग की है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। मजबूरन हमें योजना के तहत इलाज बंद करना पड़ा है। अगर सरकार 14 अगस्त तक कोई समाधान नहीं निकालती, तो हम बड़ा फैसला ले सकते हैं।" डॉ. गुलाटी ने हरियाणा सरकार की "पहले आओ, पहले पाओ" नीति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि योजना में पारदर्शिता नहीं होगी, तो प्राइवेट अस्पतालों को इसका लाभ नहीं मिल पाएगा, और अंततः नुकसान मरीजों को ही उठाना पड़ेगा।

हरियाणा के किस जिले को कहा जाता है शहीदों की नगरी

हरियाणा : भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित प्रमुख राज्यों की बात करें, तो हरियाणा का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। यह राज्य न केवल अपनी विविध संस्कृति और अनूठी परंपराओं के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर, हरियाणा के प्रत्येक जिले की अपनी विशेष पहचान है। इसी कड़ी में, क्या आप जानते हैं कि हरियाणा के किस जिले को "शहीदों की नगरी" कहा जाता है? यदि नहीं, तो आइए इस लेख के माध्यम से जानते हैं।
हरियाणा के जिले में शहीदों की नगरी हरियाणा के झज्जर जिले को "शहीदों की नगरी" के नाम से जाना जाता है। इसका कारण यह है कि यहां के अनेक युवा भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में सेवा कर रहे हैं, और

देश की रक्षा करते हुए कई वीर जवान शहीद भी हुए हैं। इन्हीं में से एक थे कर्ण सिंह, जो नौसेना के जवान थे और गुजरात में बाढ़ पीड़ितों की मदद करते हुए शहीद हो गए थे। कर्ण सिंह के अलावा भी झज्जर से कई अन्य वीर जवान शहीद हुए हैं, जिनके बलिदान को सदा स्मरण किया जाता है। यही कारण है कि झज्जर को "शहीदों की धरती" कहा जाता है।
हरियाणा राज्य का गठनहरियाणा का गठन 1 नवंबर 1966 को हुआ था। इसे भारत के 17वें राज्य के रूप में पंजाब से अलग करके बनाया गया था।
हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ है, जो पंजाब की राजधानी भी है। हरियाणा का कुल क्षेत्रफल 44,212 वर्ग किलोमीटर, जो भारत के कुल क्षेत्रफल का लगभग 1.5% है। प्रदेश में कुल 22 जिले हैं, जो कि 6 मंडलों में आते हैं।

ओयो में महिला ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी की चप्पलों से पीटा

हरियाणा हरियाणा के फरीदाबाद से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, एक महिला ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी की चप्पलों से पिटाई कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी महिला एक ओयो होटल की संचालिका है। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उसने पुलिसकर्मी के साथ मारपीट क्यों की। हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाता रहा ट्रैफिक पुलिसकर्मी जब महिला पुलिस कर्मी को पीट रही थी, तब ट्रैफिक पुलिसकर्मी बार-बार हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाता रहा, लेकिन महिला ने उसकी एक न सुनी और लगातार चप्पलों से वार करती रही। इस दौरान वह अपने एक साथी से वीडियो बनाने के लिए भी कहती रही। घटना की जानकारी मिलने पर संजय कॉलोनी पुलिस चौकी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए होटल संचालिका रंजीत कौर और उसके दो साथियों सोनू व करण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, मारपीट की यह घटना उस समय हुई जब ट्रैफिक पुलिसकर्मी दीपक जाम हटवाने मौके पर पहुंचा था।दीपक ने अपनी शिकायत में बताया कि वह दयाल अस्पताल चौक पर तैनात था, तभी उसे सूचना मिली कि सरूरपुर क्षेत्र में नेशनल होटल के सामने जाम लगा हुआ है। जब वह वहां पहुंचा तो होटल संचालिका और उसके दो कर्मचारी बाहर खड़े थे। दीपक द्वारा पूछताछ किए जाने पर महिला भड़क गई और अपने दोनों साथियों के साथ मिलकर उसे जबरन होटल के अंदर खींच लिया, जहां तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गयाः पीआरओ इस मामले पर पुलिस पीआरओ यशपाल ने कहा कि आरोपियों ने इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

स्कूल न जाने पर पिता ने डांटा, तो बहन भाई ने उठाया बड़ा कदम

लाडवाः कस्बे के गांव घडौला में पिता की डांट से आहत होकर दो बच्चे कपड़ों का बैग लेकर घर से लापता हो गए। बच्चों को घर में न देख कर परिवारजन घबरा गए। आनन-फानन में परिजन व ग्रामीण बच्चों को ढूंढने लिए इधर-उधर दौड़े। बच्चों के बैग जोहड़ किनारे मिलने पर परिजन सकते में आ गए और गांव के सरपंच सहित गोताखोर प्रगट सिंह को फोन कर सूचित किया।
गनीमत रही कि बच्चे सकुशल व सुरक्षित अपने घर पहुंच गए। बच्चों के पिता ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी का काम करता है। उसकी बड़ी बेटी सातवीं व बेटा छठी कक्षा में पढ़ते हैं। मंगलवार रात को वह बच्चों सहित खाना खाकर सो गया था। बुधवार सुबह लगभग चार बजे अचानक उसकी आंख खुली तो देखा कि बच्चे कमरे में नहीं थे। उसने घर के अंदर कमरों व बाथरूम सहित अन्य कई जगह बच्चों को ढूंढने का प्रयास किया लेकिन कहीं भी बच्चों का कोई अता-पता नहीं चला। घर में बच्चों के न मिलने पर पूरे परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन व ग्रामीण लाडवा की तरफ जाने वाले मार्ग व जोहड़ के पास बच्चों को ढूंढने लगे। जोहड़ किनारे बच्चों के बैग मिलने पर परिजनों की सांसे फूलने लगी।
आनन-फानन में गांव के सरपंच सहित गोताखोर प्रगट सिंह को फोन कर सूचित किया। सुबह चार बजे से लेकर सुबह 11:00 तक परिजन रोते बिलखते दोनों बच्चों की तलाश करते रहे। लगभग 11:30 बजे पड़ोसी ने कार के नीचे बच्चों के रोने की आवाज सुनी और उनको कार के नीचे से बाहर निकाल परिजनों को सूचना दी। बच्चों को अपने पास देखकर परिजनों ने राहत की सांस ली।

पानीपत के रसलापुर गांव में फैक्ट्री का बॉयलर फटा, पांच मजदूर घायल

पानीपत : पानीपत के रसलापुर गांव स्थित एक फैक्ट्री में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब फैक्ट्री का बॉयलर अचानक फट गया। इस हादसे में पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत उपचार के लिए पानीपत के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। फैक्ट्री में एल्युमिनियम से संबंधित कार्य होता है। यहां हाई लेवल एल्युमिनियम कॉपिंग का इस्तेमाल किया जाता है। हादसे के वक्त मजदूर एल्युमिनियम का काम कर रहे थे, तभी अचानक बॉयलर फट गया। धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाकों में भी इसकी आवाज सुनाई दी और फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। फिलहाल प्रशासन की ओर से जांच की जा रही है कि आखिर यह हादसा किन कारणों से हुआ।

अपने भाई को इस समय पर बांधे राखी

भाई-बहन के रिश्ते की मिठास को शब्दों में पिरोना आसान नहीं, लेकिन रक्षाबंधन का त्योहार हर साल इस अनमोल रिश्ते को एक नई चमक देता है। इस वर्ष 9 अगस्त 2025 (शनिवार) को रक्षाबंधन है, जो सिर्फ राखी बांधने का दिन नहीं होता, बल्कि भावनाओं, बचपन की यादों और उस वादे का पर्व होता है जिसमें भाई अपनी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है और बहन अपने स्नेह से उसे हर कठिनाई में ढाल बनकर साथ निभाने की दुआ करती है। इसे लेकर बहनों द्वारा खूब तैयारी की जा रही है। हालांकि इस बार रक्षाबंधन की तारिख को लेकर सबके मन में संशय बना हुआ है। इस वर्ष सावन पूर्णिमा 2 दिन पड़ रही है जिसके चलते लोगों के मन में सवाल है कि क्या रक्षाबंधन का त्योहार 2 दिन मनाया जाएगा अगर नहीं तो राखी 8 या 9 अगस्त किस दिन मनाई जाएगी। आपको बता दें कि 8 अगस्त को दोपहर 02.12 बजे से 9 अगस्त को दोपहर 01.24 बजे तक सावन पूर्णिमा रहेगी। वहीं उदिया तिथि के चलते रक्षाबंधन का त्योहार 9 अगस्त को मनाना शुभ बताया गया है। रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त 9 अगस्त को सुबह 05 बजकर 47 मिनट से लेकर दोपहर 01 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। वहीं आपको बता दें कि इस बार करीब 4 वर्ष बाद रक्षाबंधन के दिन पर भद्रा नहीं लगेगा। इस कारण 9 अगस्त को 1 बजकर 24 मिनट तक कभी भी राखी बांध सकेंगे।

रेवाड़ी में रिटायर्ड सीआरपीएफ जवान की हत्या मामले में सुरजेवाला ने बीजेपी सरकार को घेरा

हरियाणा : रेवाड़ी जिले के गांव जैनाबाद में बुधवार देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां घर में सो रहे रिटायर्ड सीआरपीएफ जवान निहाल सिंह (65) की तेजधार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। हत्या करने वाले दो बदमाश बाइक पर सवार होकर आए थे और वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए।इस हत्याकांड के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी में उप्ढत्रजवान की नृशंस हत्या! नकाबपोश गुंडों ने घर में घुसकर बोला हमला, देश के रक्षक भी असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में गैंगस्टरों का तांडव, कानून का मखौल! भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था का हाल बेहाल हो गया है। हरियाणा में गैंगस्टरों का खुला नंगा नाच है। भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था ध्वस्त है और मुख्यमंत्री चुटकुले सुनाने में मस्त हैं। आम नागरिक और हमारे जांबाज जवानों की जान खतरे में है। जनता डर में, अपराधी बेलगाम है। कब तक अपराधियों का ये नंगा नाच चलेगा? क्या हमारे वीर जवानों की यही कीमत है? क्या यही है "सुरक्षित हरियाणा"? भाजपा जवाब दे!

पी.जी.आई. जा रहे इन मरीजों को मिलने जा रही बड़ी सुविधा, जल्द होगी शुरूआत... लाखों लोगों को होगा फायदा

चंडीगढ़ : नवंबर तक पी.जी.आई. में बन रहा न्यूरो साइंस सेंटर आम लोगों के लिए खुला जाएंगा। डिप्टी डायरेक्टर पंकज राय का कहना है कि कोशिश है कि नवंबर महीने तक प्रोजेक्ट को पूरा किया जाए, लेकिन उपकरणों की खरीद की वजह इसमें सबसे बड़ी देरी की वजह बन रही है। हमारे कोशिश बेहतर से बेहतर उपकरण खरीदने की है ताकि मरीजों को अच्छा और एडवांस इलाज मिल सके। अगर इसमें किसी भी कारण से देरी होती भी है तो ओ.पी.डी. सुविधाएं यहां हम पहले शुरू कर देंगे।
पी.जी.आई. न्यूरो साइंस सेंटर के लिए एडवांस टैक्नोलॉजी के उपकरण खरीदने की कोशिश में हैं लेकिन हालिया स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी ने इसे रिजेक्ट कर दिया था। पी. जी. आई, कैंपस में बन रहे न्यूरोसाइंस सेंटर के लिए बेहद एडवांस उपकरण खरीदना चाहता है जिसमे ए.आई बेस्ड उपकरण शामिल है। संस्थान ए.आई. बेस्ड पेट स्कैन लेना चाहता है जिसकी कीमत 75 करोड़ के आसपास है। कमेटी ने यह कहकर मंजूरी नहीं दी कि इसकी कीमत बहुत ज्यादा है। साल 2021 तक इनके पूरा होने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन बढ़ते फंड की वजह से और ज्यादा देरी हुई। अब उम्मीद की जा रही है कि नवंबर तक ये सैंटर शुरू हो सकेगा। न्यूरोलॉजी विभाग पी.जी.आई. के चुनिंदा विभागों में से एक हैं जहां मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा रहती है। न्यूरोलॉजी ओ.पी.डी. में मरीजों की संख्या 300 से 400 तक पहुंच जाती हैं। पिछले तीन साल के आंकड़े देखें तो मरीजों की संख्या दुगनी हो गई है।

फर्नीचर शोरूम में लगी भीषण आग,मच गई अफरा-तफरी... दमकल टीम राहत कार्य में जुटी

रेवाड़ीः गढ़ी बोलनी रोड स्थित मनचंदा सोसायटी के पास एक फर्नीचर शोरूम में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शोरूम को खाली कराया जा रहा है, वहीं दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के प्रयास में जुटी हैं।
शुरूआती जानकारी के अनुसार आग शोरूम के अंदर रखे फर्नीचर और अन्य सामान में लगी, जिससे आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए भीड़ को नियंत्रित किया और राहत कार्य में सहयोग कर रही है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन की ओर से राहत व बचाव कार्य जारी है, और किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है।

हरियाणा के इस जिले से हरिद्वार के लिए 'पहली एसी बस' रवाना

पानीपत : हरियाणा रोडवेज के पानीपत डिपो के बेड़े में पहली बार 10 एसी बसें शामिल हुई है। उनमें से दो एसी बसों को पानीपत से हरिद्वार के लिये चलाया गया है। पानीपत डिपो के एसएस सतीश वर्मा ने बुधवार को सिवाह नये बस अड्डे से हरिद्वार जाने वाली पहली एसी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एसएस सतीश वर्मा ने बताया कि हरिद्वार के लिये पहली बस सुबह 10.40 पर और दूसरी बस दोपहर बाद एक बजे रवाना की गई।
उन्होंने बताया कि हरिद्वार के लिए इन दो एसी बसों को पहले अभी 4-5 दिन के लिये ट्रायल के तौर पर चलाया गया है। यदि यात्रियों के हिसाब से ट्रायल सफल रहा तो इन दोनों बसों को हरिद्वार के लिए परमानेंट कर दिया जाएगा। यात्रियों की संख्या व सुविधा अनुसार इन दोनो बसों के टाइम टेबल में भी बदलाव किया जा सकता है। बता दें कि एक साधारण रोडवेज बस में पानीपत से हरिद्वार जाने का किराया 285 रुपये है और एसी बस का किराया 360 रुपए रखा गया है।
हालांकि पहले दिन पानीपत बस अड्डे से हरिद्वार जाने वाली दोनो बसें फुल गई है। वर्मा के अनुसार पानीपत डिपो को मिली 10 एसी बसों में से 2 बसें अब हरिद्वार, दो बसें सिरसा और बाकि 6 बसें दिल्ली बस अड्डे से जम्मू, कटरा, लुधियाना व जालंधर सहित लंबें रूटों पर चल रही है। इस मौके पर डीआई कपूरचंद व इंस्पेक्टर विनोद शर्मा मौजूद रहे।

पीएम आवास योजना का ले रहे हैं लाभ, तो करना होगा ये जरूरी काम...नहीं तो नहीं मिलेगा कोई प्रोफीट

हरियाणा : प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का लाभ लेने वाले लाल डोरा के पात्रों को अब संपत्ति का प्रमाण पत्र देना होगा। यह प्रमाण पत्र केवल उन लोगों को देना होगा जिनके पास प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री नहीं है। इसके लिए स्थानीय शहरी निकाय निदेशालय की तरफ से आदेश जारी किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत पहले केवल निर्धारित योजनाओं के तहत पात्रों को ढाई लाख रुपये की राशि तीन किस्तों में मिलती थी। अब इस योजना के नियमों में कुछ बदलाव किया गया है। योजना के तहत जिन लोगों की प्रॉपर्टी लाल डोरा में है और उनके पास प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री नहीं है ऐसे लोगों को अब संपत्ति प्रमाण पत्र लेने होंगे। इसके लिए नगर परिषद के पास ही संपत्ति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करना होगा। जिन पात्रों ने आवेदन किए हुए हैं और उनके पास प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री है उसमें रजिस्ट्री और प्रॉपर्टी टैक्स रिकॉर्ड से काम चल जाएगा। संपत्ति प्रमाण पत्र लेने के लिए नगर परिषद के पास आवेदन करना होगा और 10 साल का रिकॉर्ड जिसमें बिजली, पानी आवेदन के नाम होना चाहिए उसका रिकार्ड देना होगा। इसके बाद संपत्ति प्रमाण पत्र मिल सकेगा।
प्रमाण पत्र मिलने के बाद उसकी कॉपी संबंधित ब्रांच में जमा करवानी होगी तभी पीएम आवास योजना शहरी का लाभ मिल सकेगा और किस्त जारी हो सकेंगी। नगर परिषद एरिया में लगभग 7500 पात्र हैं जिनके पास रजिस्ट्री नहीं है और उनको संपत्ति प्रमाण पत्र दिए जाने हैं। फिलहाल नगर परिषद की तरफ से लगभग 150 लोगों को ही संपत्ति प्रमाण पत्र जारी किए जा सके हैं।
मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी के लिए भी हाउसिंग फॉर ऑल ने तिथि को आगे बढ़ा दिया है। अब इसके लिए पात्र 15 अगस्त तक ऑनलाइन एकमुश्त राशि भर सकते हैं। इस योजना के तहत उन पात्रों को ही लाभ मिलेगा जिन्होंने 2023 में आवेदन किए थे। अब तक योजना के तहत नगर परिषद ने 851 लोगों को लाभ दिया है।

हरियाणा में चल रही निजी बसों को लेकर विज ने लिया बड़ा फैसला

चंडीगढ़ः हरियाणा में विभिन्न डिपो से संचालित होने वाली निजी बसें सरकार को चपत लगा रहीं हैं। दरअसल, डिपो से संचालित होने वाली निजी बसों का संचालन विभिन्न रूट पर हरियाणा रोडवेज बसों से 5 से 10 मिनट पहले ही हो जाता है। ऐसे में रोडवेज की बसों को पर्याप्त यात्री नहीं मिल पाते हैं। इस प्रकरण में परिवहन मंत्री विज ने जांच के आदेश दिए हैं।
परिवहन मंत्री अनिल विज नेकहा- मेरे संज्ञान में आया है कि निजी बसों के रूटों का निर्धारण ठीक से नहीं हुआ है। इसलिए इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को इन रूटों के समय को लेकर अध्ययन करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। परिवहन मंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। कहा कि का संचालन सरकारी बसों से पहले ही हो जाता है। इससे निजी बसें सवारियों को पहले ही बैठा लेती हैं।
सरकारी बसों में सवारी न होने से आर्थिक नुकसान होता है। मंत्री ने इस संबंध में राज्य परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस प्रकार के मामलों की जांच करें और अध्ययन का ब्योरा भी दें।

छा गए छोरे! हरियाणा के 2 पहलवानों का विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन

हिसारः हरियाणा के हिसार के 2 पहलवानों को क्रोएशिया में होने वाली विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। दोनों पहलवान गांव मिर्चपुर की शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल कुश्ती एवं कबड्डी एकेडमी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। पहलवान विक्की हुड्डा और विशाल कालीरामण ने लखनऊ में आयोजित भारतीय टीम के चयन ट्रायल में शानदार प्रदर्शन कर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए टीम में शामिल हुए। ट्रायल में 97 किलो भार वर्ग की फ्री स्टाइल कुश्ती में पहलवान विक्की ने पहला स्थान हासिल किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्हें वरिष्ठ वर्ग की भारतीय टीम में चुना गया है। विशाल कालीरमण ने दूसरा स्थान प्राप्त किया और उनका चयन कनिष्ठ वर्ग के लिए हुआ है। कोच अजय ढांडा और जयभगवान लाठर के अनुसार, वरिष्ठ वर्ग की विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक क्रोएशिया में होगी। कनिष्ठ वर्ग की चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक बुल्गारिया में आयोजित की जाएगी। इन प्रतियोगिताओं के लिए लखनऊ में हुए ट्रायल में मिर्चपुर के 6 पहलवानों ने हिस्सा लिया था।

दलीप ट्रॉफी में खेलेंगे शुभमन गिल, उत्तर क्षेत्र की कप्तानी मिली, ये बड़े खिलाड़ी भी टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड में भारत को 2-2 से टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराने में के बाद अब शुभमन गिल 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू हो रही आगामी दलीप ट्रॉफी में नजर आएंगे। गिल को उत्तर क्षेत्र टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। इंग्लैंड में 5 टेस्ट मैचों में 754 रन बनाने वाले और भारत के प्लेयर ऑफ द सीरीज बने गिल के अलावा, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हर्षित राणा 15 सदस्यीय टीम में अन्य उल्लेखनीय नाम हैं।

कंबोज ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे मैच में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जबकि राणा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत 'ए' के मैचों में खेले थे और अर्शदीप को टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला था। गुरुवार को नई दिल्ली में हुई बैठक में टीम का चयन करने वाली क्षेत्रीय चयन समिति ने यह भी घोषणा की कि अगर गिल, अर्शदीप और राणा में से किसी को भी दलीप ट्रॉफी के साथ होने वाले भारतीय मैचों के लिए मुख्य टीम में शामिल किया जाता है, तो सर्विसेज के शुभम रोहिल्ला, पंजाब के गुरनूर बरार और हरियाणा के अनुज ठकराल को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा।

भारत 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले पुरुष टी20 एशिया कप में खेलेगा। उत्तर क्षेत्र की टीम के अन्य प्रमुख सदस्यों में दिल्ली के ऑलराउंडर आयुष बदोनी और बल्लेबाज यश ढुल शामिल हैं, जिन्होंने 2022 अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भारत की कप्तानी की थी। पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली जम्मू और कश्मीर की टीम में चार खिलाड़ी शुभम खजूरिया, साहिल लोत्रा, युद्धवीर सिंह चरक और औकीब नबी भी उत्तर क्षेत्र की टीम में हैं, जबकि आबिद मुश्ताक स्टैंड-बाय सूची में हैं।

दलीप ट्रॉफी छह टीमों के पुराने क्षेत्रीय प्रारूप में आयोजित की जाएगी और 2025/26 घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत का प्रतीक है। उत्तर क्षेत्र अपने अभियान की शुरुआत बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर ईशान किशन की अगुवाई वाले पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा, जिसमें विजेता टीम सेमीफाइनल में दक्षिण क्षेत्र से भिड़ेगी।

उत्तर क्षेत्र की टीम

शुभमन गिल (कप्तान) (पीसीए), शुभम खजूरिया (जेकेसीए), अंकित कुमार (उप-कप्तान) (एचसीए), आयुष बदोनी (डीडीसीए), यश ढुल (डीडीसीए), अंकित कलसी (एचपीसीए), निशांत सिंधु (एचसीए), साहिल लोत्रा (जेकेसीए), मयंक डागर (एचपीसीए), युद्धवीर सिंह चरक (जेकेसीए), अर्शदीप सिंह (पीसीए), हर्षित राणा (डीडीसीए), अंशुल कंबोज (एचसीए), औकिब नबी (जेकेसीए), और कन्हैया वधावन (विकेटकीपर) (जेकेसीए)।

स्टैंडबाय

शुभम अरोड़ा (विकेटकीपर) (एचपीसीए), जसकरनवीर सिंह पॉल (पीसीए), रवि चौहान (एसएससीबी), आबिद मुश्ताक (जेकेसीए), निशंक बिड़ला (यूटीसीए), उमर नजीर (जेकेसीए) और दिवेश शर्मा (एचपीसीए)।

अगले 15 से 20 साल सीएसके के साथ ही रहेंगे धोनी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि वह आगे भी टीम के साथ ही बने रहेंगे। धोनी ने कहा कि अगले 15 से 20 साल तक वह सीएसके के साथ ही रहेंगे भले ही खेलें या नहीं। धोनी की इस बात से साफ है कि वह अगले सत्र में अगर नहीं खेलते हैं तो कोच या मेंटॉर के तौर पर भी पीली जर्सी में ही दिखेंगे। धोनी ने कहा कि वह और सीएसके साथ-साथ हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि सीएसके और उनका साथ सिर्फ खिलाड़ी के तौर पर ही नहीं है। बढ़ती उम्र को देखते हुए पिछले कुछ साल से धोनी के खेल से संन्यास की अटकलें लगायी जा रही हैं। इसी को लेकर धोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं और सीएसके, हम साथ-साथ हैं। यह एक या दो साल के लिए नहीं है। मैं हमेशा पीली जर्सी में बैठा मिलूंगा। मैं भले ही खेलूं या नहीं।

44 साल के हो रहे धोनी पिछले सत्र में घुटने की चोट के कारण काफी परेशान रहे थे और निचले क्रम पर उतरे थे। वहीं आईपीएल 2024 के समय भी ऐसी अटकलें लगी थीं कि धोनी वो सत्र नहीं खेलेंगे पर वह घुटने की समस्या से बहुत जल्दी उबरे। इतना ही नहीं, आईपीएल 2025 में सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ जब कोहनी की चोट की वजह से बाहर हुए तब धोनी ने एक बार फिर कप्तानी संभाली। हालांकि, पिछला सत्र सीएसके के लिए अच्छा नहीं रहा था। आईपीएल की सबसे सफल टीमों में शामिल सीएसके 14 मैच में सिर्फ 4 ही जीत सकी थी और अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। धोनी ने पिछले सत्र में चेन्नई में एक निजी समारोह के दौरान कहा था कि चेन्नई की टीम रुतुराज को ही टीम में बनाए रखेगी। उन्होंने कहा, 'हम अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़े चिंतित थे पर मुझे लगता है कि अब हमारा बल्लेबाजी क्रम काफी व्यवस्थित है। गायकवाड़ वापसी करेंगे। उन्हें चोट लगी थी। वह वापसी करेंगे तो अब हम काफी व्यवस्थित हो जायेंगे।'

बीसीसीआई ने उत्कृष्टता केंद्र में नए कोचों की तलाश शुरू की

बेंगलुरू (एजेंसी)। मशहूर गेंदबाजी कोच ट्रॉय कूली समेत पुराने कोचों के जाने के बाद BCCI अपने उत्कृष्टता केंद्र (COE) के लिए नए कोचिंग स्टाफ की तलाश में है और गेंदबाजी, बल्लेबाजी, खेल विज्ञान और मेडिसिन विभाग में शीर्ष पदों के लिये आवेदन मंगवाये गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रथम श्रेणी तेज गेंदबाज और इंग्लैंड के एशेज विजेता गेंदबाजी कोच कूली का BCCI के साथ तीन साल का करार खत्म हो गया था और वह कार्यकाल में विस्तार पर थे। 59 वर्ष के कूली को 2021 के आखिर में एनसीए का गेंदबाजी कोच बनाया गया था। उनकी जगह भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वीआरवी सिंह ले सकते हैं जिन्होंने कूली के साथ काम किया है।

मेडिकल टीम के प्रमुख नितिन पटेल समेत स्टाफ के कई सदस्यों के जाने के बाद कई पद रिक्त हैं। पटेल ने मार्च में पद से इस्तीफा दिया था। स्पिन गेंदबाजी कोच साइराज बहुतुले भी जा चुके हैं और अब राजस्थान रॉयल्स के सहयोगी स्टाफ में हैं। NCA के एक और कोच सितांशु कोटक राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण का COE प्रमुख के तौर पर कार्यकाल इस साल के आखिर में खत्म हो रहा है और समझा जाता है कि वह इसका नवीनीकरण कराना नहीं चाहते। ऐसी संभावना है कि उन्हें 2027 वनडे विश्व कप तक पद पर बने रहने के लिये बोला जाए।

BCCI ने बृहस्पतिवार को तीन प्रमुख पदों के लिए इश्तेहार दिया जिसमें कहा गया है कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी कोच के पद के लिए उम्मीदवार पूर्व प्रथम श्रेणी या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होना चाहिए जिसके पास बीसीसीआई लेवल दो या तीन का कोचिंग सर्टिफिकेट हो।

शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी संभव नजर नहीं आती

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी अब टेस्ट क्रिकेट में मुश्किल नजर आती है। इसकार कारण युवा तेज गेंदबाजों का अच्छा प्रदर्शन और शमी की बढ़ती उम्र है। शमी 35 के करीब होने जा रहे हैं। ऐसे में भविष्य की योजनाओं को देखते हुए फिट नहीं बैठते। शमी एकदिवसीय विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद से ही चोटिल होने के कारण एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला जिसके बाद उन्हें टी20 और फिर एकदिवसीय प्रारुप में जगह मिली। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम में शामिल थे पर फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण् टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी नहीं हो पायी। उन्हें न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए

उपयुक्त नहीं पाया गया हालांकि इसका कारण उनकी फिटनेस बताया गया है। वहीं इस दौरान प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप सिंह और अर्शदीप सिंह सहित कई युवा तेज गेंदबाज निकलकर आ गये। टीम प्रबंधन ने भी युवाओं को अधिक मौके देना बेहतर विकल्प माना है जिससे भी शमी की वापसी कठिन हो गयी।

इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप के अलावा हर्षित राणा, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी पुरी तरह से फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से इंकार कर दिया था। ऐसे में युवाओं को अवसर मिला जिसको उन्होंने पूरा लाभ उठाया। आकाशदीप ने इंग्लैंड दौरे के दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लिए। वहीं कृष्णा ने अंतिम टेस्ट में दोनो पारियों में चार-चार विकेट लिए।

आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। वहीं मुख्य तेज गेंदाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए। ऐसे में शमी के लिए जगह बनती नहीं दिखती है। शमी की वापसी इसीलिए भी संभव नजर नहीं आती क्योंकि उन्हें अधिकतर चोट की समस्या रहती है। वह 35 साल के होने जा रहे हैं। वहीं टीम प्रबंधन युवाओं को वरीयता दे रहा है। ऐसे में शमी अब शायद ही वापसी कर पायें।

सीएबी के अध्यक्ष बन सकते हैं गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली अब बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष बन सकते हैं। गांगुली इसके लिए चुनाव लड़ सकते हैं। गांगुली साल 2014 में सीएबी के सचिव रहे थे। वह साल 2019 में आम राय से बीसीसीआई अध्यक्ष बने थे। रिपोर्ट्स के अनुसार गांगुली पिछले कुछ माह से नियमित रूप से सीएबी के सदस्यों से बातचीत कर रहे हैं। सीएबी में भी गांगुली की वापसी को लेकर उत्साह का माहौल है। सीएबी के एक अधिकारी ने कहा, ' वह प्रशासन में लौटना चाहते हैं। उन्होंने सीएबी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने का फैसला किया है। वहीं बीसीसीआई के संविधान के अनुसार उनके पास राज्य में कुल नौ साल में से पांच साल बचे हैं। ऐसे में वह सर्वसम्मति से चयनित होंगे या नहीं ये अभी तय नहीं है।' वर्तमान में सीएबी अध्यक्ष गांगुली के बड़े भाई स्नेहाशीष हैं उनका छह साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है। इसके बाद उन्हें अनिवार्य कूलिंग-ऑफ टाइम के तहत पद छोड़ना पड़ सकता है। जिसके बाद सौरव पद संभाल सकते हैं

अगली योजना पर काम कर रहा हूं : बुमराह

सिराज की प्रशंसा न करने पर ट्रॉल भी हुए

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम की इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टेस्ट में जीत के बाद मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने खुशी जतायी है और कहा है कि अब वह अपनी अगली योजना पर काम कर रहे हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 में से 3 ही मैच खेले थे। ओवल में हुए अंतिम मैच में भी वह टीम में नहीं थे। अंतिम मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 9 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। साथ ही कहा था कि अगर बुमराह भी साथ होते तो जीत की खुशी और बढ़ जाती। वहीं बुमराह ने लिखा, 'हम बेहद कड़े मुकाबले के बाद बराबरी पर रही रोमांचक टेस्ट सीरीज से अच्छी यादें लेकर आए हैं। अब मैं अपनी अगली योजना पर काम कर रहा हूं।' बुमराह इस पोस्ट के बाद कई ट्रोलर्स ने जबरन विवाद पैदा करने का काम भी किया। इन ट्रोलर्स का कहना था कि बुमराह ने अपनी पोस्ट में सिराज के प्रदर्शन की तारीफ नहीं की है। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में 23 विकेट लिए। ऐसे में सिराज के प्रशंसक उनकी फिटनेस और प्रदर्शन की प्रशंसा कर रहे हैं। वहीं बुमराह की गलतियां निकाल रहे हैं।

विक्टोरिया म्बोको ने कैनेडियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई

मॉन्ट्रियल (एजेंसी)। कनाडा की युवा टेनिस खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको कैनेडियन ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। 18 साल की म्बोको ने नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6(4) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

म्बोको ने फाइनल में पहुंचने के साथ-साथ एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। वह ओपन एरा में एक ही डब्ल्यूटीए इवेंट में तीन पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियनों (रयबाकिना, कोको गॉफ, और सोफिया केनिन) को हराने वाली पहली कनाडाई खिलाड़ी बन गई हैं।

विक्टोरिया म्बोको इस प्रतिष्ठित इवेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली चौथी कनाडाई खिलाड़ी बनी हैं। उनसे पहले फेय अर्बन (1968 और 1969), विकी बर्नर (1969) और बियांका एंड्रीस्कू (2019) ने फाइनल में जगह

बनाई थी। साथ ही म्बोको फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं।

म्बोको की वाइल्डकार्ड एंट्री हुई थी। ऐसे में वाइल्डकार्ड खिलाड़ी के रूप में टूर्नामेंट में एंट्री करने और ओपन ऐरा फाइनल में जगह बनाने वाली वह तीसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले वाइल्डकार्ड खिलाड़ी के रूप में मोनिका सेलेस (1995) और सिमोना हालेप (2015) ने फाइनल में जगह बनाई थी।

जीत से बेहद उत्साहित विक्टोरिया म्बोको ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'टाईब्रेकर में हर पाइंट मायने रखता है। मुझे इसका ध्यान था। मैं कोर्ट में ज्यादा से ज्यादा गेंदें डालना चाहती थी और जितना हो सके उतनी ताकत लगाना चाहती थी। मैच के दौरान बहुत तनावपूर्ण पल भी होते हैं, ऐसे में मैं खुद को शांत रखने की कोशिश भी कर रही थी और हमेशा आगे के पाइंट पर ध्यान केंद्रित कर रही थी।'

फाइनल में, म्बोको का मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता जापान की नाओमी ओसाका से होगा। ओसाका ने 2022 के बाद से अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000-स्तरीय फाइनल में जगह बनाई है। ओसाका ने नाइटकैप में 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन पर जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। म्बोको और ओसाका के बीच बेहद रोमांचक फाइनल होने की उम्मीद है, जो गुरुवार को खेला जाएगा।

लुइस सुआरेज और डी पॉल ने इंटर मियामी को लीग्स कप क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया

फोर्ट लॉडरडेल। इंटर मियामी सीएफ ने टीम के तीसरे और अंतिम लीग कप 2025 चरण के एक मुकाबले में लीगा एमएक्स पुमास उनम पर 3-1 की जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। दिग्गज स्ट्राइकर लुइस सुआरेज की टीम की जीत में अहम भूमिका रही। सुआरेज ने एक गोल और दो असिस्ट के साथ शानदार प्रदर्शन किया। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने क्लब के लिए अपना पहला गोल किया और तादेओ अलेंदे ने गोल किया। उनम की तरफ से 34वें मिनट में जॉर्ज रुवाल्काबा ने एकमात्र गोल किया। यह मैच का पहला गोल था। इंटर मियामी की तरफ से पहला गोल 45वें मिनट में लगा। ये गोल डी पॉल ने लगाया। डी पॉल ने लुइस सुआरेज की लेफ्ट विंग से आई गेंद को सीने से रोका, फिर नीचे-दाएं कोने में एक बेहतरीन आउटसाइड-ऑफ-द-फुट फिनिश के साथ गोल किया। यह असिस्ट सुआरेज का टूर्नामेंट में पहला और 2025 में सभी प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 14वां था। सुआरेज ने 59वें मिनट में पेनेंका के पेनल्टी स्पॉट पर किए गए गोल के साथ इंटर मियामी के लिए स्कोरलाइन पलट दी। इस गोल के साथ ही इस सीजन में की प्रतियोगिताओं में उनके गोलों की संख्या 10 हो गई। अलेंदे ने 69वें मिनट में इंटर मियामी के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। इस गोल के लिए भी सुआरेज ने असिस्ट किया था। यह सीजन में अलेंदे का 11वां गोल था। सुआरेज का यह असिस्ट ऐतिहासिक रहा। इस असिस्ट के साथ उन्होंने क्लब के लिए एक सीजन में सर्वाधिक 15 असिस्ट के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 3-1 के स्कोर के साथ इंटर मियामी ने लीग्स कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

शाई होप की कप्तानी में पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज टीम

जमैका। वेस्टइंडीज ने शुक्रवार से पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए शाई होप की कप्तानी में अपनी अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। तीन मैचों की ये सीरीज त्रिनिदाद में खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड को टीम में शामिल किया गया है। शेफर्ड बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद पहली बार वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय टीम में वापसी कर रहे हैं। वहीं 18 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू को भी एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडियाह ब्लेड्स को भी टीम में शामिल किया गया है। ये एकदिवसीय सीरीज 8 अगस्त से शुरू होगी। टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी के अनुसार इस सीरीज से 2027 आईसीसी विश्व कप के लिए टीम को अपना आंकलन करने का अवसर मिलेगा। सैमी ने कहा, 'पाकिस्तान टीम एक अलग तरह की चुनौती पेश करती है क्योंकि हमारा लक्ष्य 2027 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियां बरकरार रखना है।'

टीम इस प्रकार है : शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, जेडियाह ब्लेड्स, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रेव्स, आमिर जांगू, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

'हम इससे सीख सकते हैं', इंग्लैंड में भारत की यादगार सीरीज ड्रॉ पर बोले पूर्व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के रोमांचक उद्घाटन संस्करण के दौरान गौतम गंभीर और उनकी टीम की इंग्लैंड में मिली सफलता से बेहद खुश हैं। ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन मैच बेहद रोमांचक रहा। हिम्मत और हौसले की इस जंग में समीकरण दिन के उजाले की तरह साफ था। इंग्लैंड 374 रनों के लक्ष्य को हासिल करने से 35 रन पीछे रह गया, जबकि भारत को लंदन में सीरीज 2-2 से बराबर करने के लिए चार विकेट लेने थे।

भारत के खिलाफ मुश्किलें खड़ी होने के बावजूद मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने इंग्लैंड को धूल चटाने के लिए कड़ी मेहनत की। दूसरे छोर पर क्रिस वोक्स के कंधे की हड्डी टूटने के बावजूद गस एटकिंसन ने एक विकेट शेष रहते हुए सात रन की जरूरत तक समीकरण को सीमित कर दिया। सिराज की कोणीय यॉर्कर एटकिंसन के ऑफ स्टंप पर लगी और भारत ने सीरीज 2-2 से बराबर कर दी।

खुशी से फूले नहीं समा रहे सिराज ने जोश से दौड़ लगाई और अपना फेमस जश्न मनाया और जल्द ही उनके हमवतन खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। गंभीर ने सहायक कोच रयान टेन डोइशेट को गले लगा लिया और बाकी टीम भी तुरंत जश्न में शामिल हो गई। गंभीर ने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल को देखा और दोनों ने गर्मजोशी से एक-दूसरे को गले लगा लिया। इस लंबे कद के दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी ने गंभीर को हवा में उठा लिया और भारतीय खिलाड़ी खुशी से दहाड़ उठा। वह मैदान पर गए, अपने कप्तान शुभमन गिल और बाकी खिलाड़ियों को गले लगाया, जबकि पूरी टीम ओवल में विजय रथ पर सवार थी।

कर्स्टन ने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं कि भारत ने सीरीज जीत ली, मेरा मतलब है कि सीरीज बराबर कर ली। यह भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है, और मैं गौतम गंभीर के लिए भी बहुत खुश हूं। वह जाने-माने हैं, और मैंने उनके साथ बहुत काम किया है, और टीम के साथ उन्होंने जो हासिल किया है, उससे मैं बहुत खुश हूं।'

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर, जो 2011 विश्व कप में टीम की जीत के दौरान टीम की कमान संभाल रहे थे, ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में एक मजबूत खेल संस्कृति है और कहा, 'मुझे लगता है कि भारत में भी एक मजबूत खेल संस्कृति है। हर देश किसी न किसी तरह से ऐसा करता है।' उन्होंने आगे

कहा, 'मुझे लगता है कि भारत के प्रति मेरा प्यार युवाओं के समग्र विकास में उनके विकास को देखना है। इसलिए हम जानते हैं कि भारत में शिक्षा काफी मजबूत है, और दक्षिण अफ्रीकी होने के नाते, हम इससे सीख सकते हैं।'

टी20 मैच : पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम को आयरलैंड ने 11 रन से हराया

डबलिन। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड के दौरे पर है। सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा है। क्लोनटॉर्फ क्रिकेट क्लब, डबलिन में खेले गए मैच में पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। उन्होंने इस फैसले को सही साबित करते हुए आयरलैंड को 19.4 ओवर में 142 रन पर समेटने में बड़ी भूमिका निभाई। आयरलैंड के लिए विकेटकीपर और ओपनर एमी हंटर ने सर्वाधिक 37 रनों की पारी खेली। 30 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 5 चौके लगाए। इसके अलावा ओरला प्रेंडरगास्ट ने 29, लिह पॉल ने 28 रन बनाए। 6 बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सकीं। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन देकर 4 विकेट लिए। सादिया इकबाल, दायना बेग, रमीन शमीम, और नशरु संधू ने 1-1 विकेट लिए। 143 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 42 स्कोर पर टीम ने अपने 4 शुरुआती विकेट गंवा दिए। इन शुरुआती झटकों से टीम कभी उबरती हुई नहीं दिखी और 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 131 रन ही बना सकी और 11 रन से मैच हार गई। पाकिस्तान के लिए नतालिया परवेज 29 और रमीन शमीम 27 शीर्ष स्कोरर रहीं। आयरलैंड के लिए ओरला प्रेंडरगास्ट ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। जेन मैगुरे को 2, अवा कैनिंग, कारा मरे और लारा मैक्ब्रिड को 1-1 विकेट मिले।

टीवी से फिल्मों में साइड हीरो तक, अब जीता बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड

आज 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड की घोषणा की गई। इसमें अभिनेता विक्रांत मैसी को उनकी फिल्म 12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। टीवी की दुनिया से फिल्मों में एंट्री करने वाले विक्रांत ने बेहद कम समय में ही अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। अब विक्रांत ने अपने छोटे से करियर में ही नेशनल अवॉर्ड भी हासिल कर लिया है।

विक्रांत को अपना पहला नेशन अवॉर्ड 2023 में आई फिल्म '12वीं फेल' के लिए मिला है। यह एक बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म है। ये फिल्म आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा और उनकी पत्नी आईआरएस ऑफिसर श्रद्धा जोशी के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ मेधा शंकर और अनंत वी जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इस फिल्म को विधु विनोद चोपड़ा ने निर्देशित किया है।

टीवी से की एक्टिंग की शुरुआत, 'लुटेरा' में पहली बार बड़े पर्दे पर आए नजर

विक्रांत मैसी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में आए टीवी सीरियल 'धूम मचाओ धूम' से की थी। इसके बाद विक्रांत ने कई टीवी सीरियल्स में काम किया। विक्रांत ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2013 में आई रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'लुटेरा' से की थी। इस फिल्म में विक्रांत साइड रोल में नजर आए थे। इसके बाद विक्रांत ने कई फिल्मों में साइड रोल किए हैं। 'दिल धड़कने दो', 'हाफ गर्लफ्रेंड' और 'लिपिस्टिक अंडर माय बुर्का' शामिल हैं।

मिर्जापुर से मिली पहचान

विक्रांत ने अपने करियर में 'छपाक', 'ए डेथ इन द गंज', 'गिन्नी वेड्स सन्नी', 'हसीन दिलरुबा' और '14 फेरे' जैसी कई फिल्में की हैं। उन्हें पहचान वेब सीरीज 'मिर्जापुर' से मिली। इसके बाद 12वीं फेल ने विक्रांत को स्टार बना दिया। फिल्म में विक्रांत की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। विक्रांत आखिरी बार 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आए थे।

तमन्ना भाटिया ने बताया

एडल्ट फ्रेंडशिप क्यों सबसे अच्छी होती है

इस फ्रेंडशिप डे पर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने बताया कि जहां सब स्कूल और कॉलेज के दोस्तों की बात करते हैं, वहीं उनके हिसाब से बड़ों की दोस्ती (एडल्ट फ्रेंडशिप) सबसे अच्छी होती है। तमन्ना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए एडल्ट फ्रेंडशिप के फायदे बताए। इस वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया, आप जानते हैं, बड़ों की दोस्ती सबसे अच्छी होती है। यह ऐसा है जैसे मैं जिस भी दोस्त से बात करती हूं, हमारी हर कॉल आई लव यू के साथ समाप्त होती है। हर फोन कॉल इस बारे में होती है कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं, और यह एक गलत धारणा है कि आप अपने सबसे अच्छे दोस्तों से स्कूल और कॉलेज में मिलते हैं। मुझे लगता है कि एडल्ट फ्रेंडशिप सबसे अच्छी होती है। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए तमन्ना की करीबी दोस्तों में से एक राशा थडानी ने कमेंट सेक्शन में टिप्पणी की, उन्होंने लिखा, मैं तुमसे प्यार करती हूं, तुम मुझे रुला दोगी। काजल अग्रवाल ने लिखा, ओह, मैं तुमसे प्यार करती हूं! हैप्पी फ्रेंडशिप डे, मेरी प्यारे तमू। मृणाल ठाकुर ने लिखा, ओह, मुझे रोना आ रहा है। मृणाल ने तमन्ना की पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक भावुक संदेश के साथ रीशेयर भी किया।
बाहुबली अभिनेत्री पर प्यार बरसाते हुए उन्होंने लिखा, जिंदगी व्यस्त और अस्त-व्यस्त हो सकती है, लेकिन आप जैसे दोस्तों के साथ सब कुछ अच्छा लगता है। आप मेरे जीवन में ढेर सारी खुशियां और प्यार लेकर आती हैं और मैं हमेशा आपकी आभारी रहूंगी। लव यू। अभिनेत्री तमन्ना वर्तमान में अपनी अगली फिल्म वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में व्यस्त हैं, जहां वह पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इस फिल्म के मनोरंजक टीजर में तमन्ना को पौराणिक कथाओं और रहस्यवाद की दुनिया में कदम रखते हुए दिखाया गया है। वह नंगे पैर किसी नुकीली चीज पर कदम रखती हुई दिखाई देती हैं, वह हिचकती हैं लेकिन फिर भी नहीं रुकतीं। एक जलती हुई मशाल लिए वह एक अंधेरे जंगल में जाती हैं। अरुणाभ कुमार द्वारा निर्देशित, वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर (टीवीएफ) की ओर से बनाई जा रही है।

गुडाचारी 2 को लेकर अदिवि शेष का खुलासा

अदिवि शेष और इमरान हाशमी फिल्म गुडाचारी 2 में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अदिवि ने इमरान के साथ काम करने को लेकर अपनी राय पेश की है।

इमरान को लेकर अदिवि की राय

खबर के मुताबिक, हाल ही में अदिवि शेष ने गुडाचारी 2 में बॉलीवुड स्टार इमरान हाशमी के साथ काम करने को लेकर अपने दिल की बात शेयर की है। एक इंटरव्यू में अदिवि शेष ने कहा कि वह इमरान हाशमी के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा उनका फैन रहा हूं। मैं थिएटर में उनकी शानदार मौजूदगी और जोश देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता था। अब उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए खास पल है।

फिल्म के सेट पर घायल हुए थे इमरान

हैदराबाद में फिल्म गुडाचारी 2 के एक एक्शन सीन की शूटिंग करते वक्त इमरान हाशमी घायल हो गए थे। उनकी गर्दन में चोट लग गई थी। दरअसल, इमरान जंप सीक्वेंस के दौरान घायल हुए थे, जिससे उनकी गर्दन पर गहरा कट लग गया था। उनकी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हुई थी। इमरान की इस वायरल तस्वीर पर उनके प्रशंसकों में भी चिंता जताई थी।
गुडाचारी 2 एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है। गुडाचारी 2 में अदिवि शेष और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अगस्त में अदिवी सेश ने इमरान हाशमी के गुडाचारी 2 में शामिल होने की घोषणा की थी। यह फिल्म अदिवि सेश के साथ इमरान हाशमी की दूसरी तेलुगु फिल्म है। गुडाचारी 2 इमरान हाशमी की तेलुगु सिनेमा में आने वाली एकमात्र फिल्म नहीं है। वह पावर स्टार पवन कल्याण की आगामी फिल्म हृत्र में भी नजर आने वाले हैं।

'सन ऑफ सरदार 2' में रोहित शेट्टी का कैमियो से है 'गोलमाल 5' का कनेक्शन?

फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की कॉमेडी दर्शकों को कितनी पसंद आएगी, यह तो बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट ही बताएगी। लेकिन इस फिल्म में डायरेक्टर रोहित शेट्टी का कैमियो देखकर दर्शक जरूर हैरान हैं। 'सरदार ऑफ सरदार 2' के कैमियो के जरिए रोहित शेट्टी अपनी फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर बड़ा अपडेट भी देते हैं। फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में एक सीन है, जिसमें रोहित शेट्टी की एंट्री होती है। वह इस सीन में बस आकर इतना कहते हैं, 'गोलमाल 5 की तैयारी कर रहा हूं।' इसी बात से हिंट मिलता है कि वह अजय देवगन के साथ जल्द ही 'गोलमाल 5' बनाने वाले हैं। रोहित शेट्टी डायरेक्टेड कॉमेडी फिल्म 'गोलमाल' सीरीज में अजय देवगन हमेशा नजर आए हैं। इस सीरीज की फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब सराहा है। अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने 'गोलमाल' सीरीज की फिल्मों के अलावा कई फिल्में की हैं। जिसमें 'जमीन', संडे, ऑल द बेस्ट, सिंघम, बोल बच्चन, सिंबा, सूर्यवंशी, सिंघम अगेन शामिल हैं। दोनों ने 12 फिल्में साथ की हैं। अब इनकी अगली फिल्म साथ में 'गोलमाल 5' होगी।

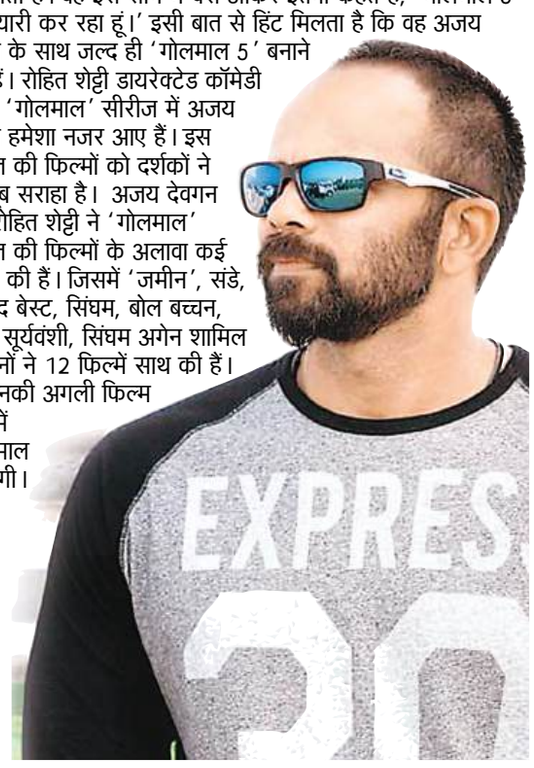

शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बेटी मालती मैरी के साथ मोतियों के शहर हैदराबाद पहुंचीं। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस को झलक दिखाई। प्रियंका ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर दो तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में मालती के छोटे-छोटे पैर और हाथ नजर आ रहे हैं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, मामा और मालती। दूसरी तस्वीर में मालती कार की खिड़की से बाहर देख रही हैं, जिस पर लिखा है, हैदराबाद, हम पहुंच गए। प्रियंका ने यह नहीं बताया कि वह हैदराबाद क्यों आई हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि वह फिल्म निर्माता एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 की शूटिंग के लिए यहां हैं। इस बड़े बजट की फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा ओडिशा में पहले ही पूरा हो चुका है। इस एक्शन-एडवेंचर फिल्म में इतिहास और पौराणिक कथाओं का मिश्रण होगा, जिसमें प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज को लेकर निर्माताओं ने कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, उम्मीद है कि फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका हाल ही में एक्शन-कॉमेडी फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन इल्या नाइशुलर ने किया। इस फिल्म में उनके साथ इदरिस एल्बा, जॉन सीना, पैडी कॉन्सिडाइन, स्टीफन रूट, कार्ला गुगिनो, जैक क्वैड और सारा नाइल्स जैसे एक्टर्स हैं। प्रियंका ने इस फिल्म में एजेंट नोएल बिसेट की भूमिका निभाई, जो एक हाई-प्रोफाइल मिशन के दौरान जॉन सीना और इदरिस एल्बा के किरदारों के साथ मिलकर काम करती हैं। प्रियंका की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही कृष 4 में दिखाई देंगी।

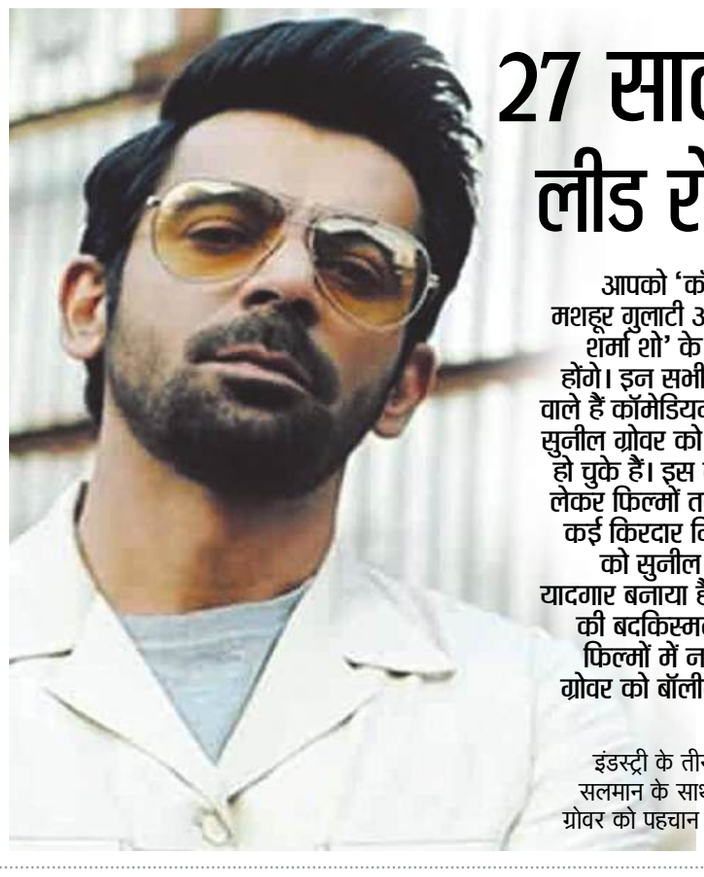

27 साल से इंडस्ट्री में एक्टिव, कभी नहीं मिला लीड रोल; फिर भी दर्शकों के दिलों पर करते हैं राज

आपको 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' के मशहूर गुलाटी और रिंकू देवी और 'द कपिल शर्मा शो' के इंजीनियर साहब तो याद ही होंगे। इन सभी किरदारों को मशहूर बनाने वाले हैं कॉमेडियन और एक्टर सुनील ग्रोवर। सुनील ग्रोवर को इंडस्ट्री में लगभग 27 साल हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने टेलीविजन से लेकर फिल्मों तक में अलग-अलग तरह के कई किरदार निभाए हैं। इन सभी किरदारों को सुनील ग्रोवर ने अपने अभिनय से यादगार बनाया है। हालांकि, ये सुनील ग्रोवर की बदकिस्मती ही रही कि साल 1998 से फिल्मों में नजर आने के बावजूद सुनील ग्रोवर को बॉलीवुड में वो पहचान नहीं मिली जिसके वो हकदार थे।

इंडस्ट्री के तीनों खानों- शाहरुख, आमिर और सलमान के साथ फिल्में करने के बावजूद सुनील ग्रोवर को पहचान कपिल शर्मा के कॉमेडी शो से ही मिली। आज सुनील ग्रोवर अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर जानते हैं सुनील ग्रोवर की फिल्मोग्राफी के बारे में और किन-किन बड़ी फिल्मों में सुनील ग्रोवर ने निभाए अहम किरदार।

1998 से फिल्मों में नजर आ रहे सुनील ग्रोवर

3 अगस्त 1977 को हरियाणा के सिरसा में जन्में सुनील ग्रोवर एक्टिंग की दुनिया में साल 1995 से एक्टिव हैं और फिल्मों में वो 1998 से नजर आ रहे हैं। इस दौरान वो कई बड़ी फिल्मों में भी नजर आए हैं। जिनमें 'प्यार तो होना ही था', 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह', 'मैं हूं ना', 'गजनी', 'भारत' और 'जवान' जैसी फिल्में शामिल हैं। सुनील ग्रोवर को दिवंगत एक्टर-कॉमेडियन जसपाल भट्टी की खोज बताया जाता है।

तीनों खानों की फिल्मों में निभाए किरदार

सुनील ग्रोवर के फिल्मों में प्रमुख किरदारों की बात करें तो इनमें साल 2002 में अजय देवगन की 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' का जयदेव कपूर से लेकर 2008 में आई आमिर खान की 'गजनी' का संपत, 'जिला गाजियाबाद' का फकीरा, अक्षय कुमार की 'गब्बर इज बैक' का हवलदार साधुराम, टाइगर श्रॉफ की 'बागी' का पीपी खुर्राना, विशाल भारद्वाज की 'पटाखा' का डिपर, सलमान खान की 'भारत' का विलायती खान, अमिताभ बच्चन की 'गुडबाय' के पंडित जी और शाहरुख खान की नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म 'जवान' का ईरानी जैसे यादगार किरदार शामिल हैं।

ओटीटी पर मिलीं दमदार भूमिकाएं

हालांकि, लंबे संघर्ष के बाद सुनील ग्रोवर को ओटीटी में जरूर लीड रोल भी मिले और ऐसे किरदार भी मिले, जो कहानी में अहम भूमिका निभाते हैं। फिर वो चाहें जी5 की उनकी सीरीज 'सनफ्लावर' हो या फिर प्राइम वीडियो पर आई सैफ अली खान, जीशान अय्यूब, तिग्मांशु धूलिया और डिंपल कपाड़िया की वेब सीरीज 'तांडव'। इनमें सुनील ग्रोवर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए।

निभाए यादगार किरदार, लेकिन....

इतनी बड़ी फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद सुनील ग्रोवर को बॉलीवुड में कभी वो पहचान नहीं मिली जिसके वो हकदार थे। यही कारण है कि इंडस्ट्री में 27 साल से संघर्ष करने के बावजूद सुनील ग्रोवर आजतक किसी फिल्म में लीड रोल में नजर नहीं आए हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सुनील ग्रोवर के किरदारों में गंभीरता जरूर देखने को मिली है और उनके अभिनय के दम पर उनके उन किरदारों को नोटिस भी किया गया है। फिर वो चाहें 'गब्बर इज बैक' का कांस्टेबल साधुराम का किरदार हो या फिर 'गुडबाय' के पंडित जी का किरदार या 'जवान' फिल्म में उनके द्वारा निभाया गया ईरानी का किरदार। सुनील ग्रोवर के इन किरदारों को काफी पसंद किया गया।

कपिल शर्मा के शो से मिली पहचान

हालांकि, सुनील ग्रोवर को पहचान टीवी की दुनिया से ही मिली। उनमें भी खासकर कपिल शर्मा के साथ उनके शो 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल', 'द कपिल शर्मा शो' और अब 'ग्रेट इंडियन कपिल शो'। कपिल शो में पहले गुत्थी के किरदार से फेमस हुए सुनील ग्रोवर ने बाद में इन्हीं शोज में कभी रिंकू देवी, मशहूर गुलाटी, इंजीनियर साहब जैसे कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए, जिन्हें सुनील ग्रोवर की जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और एक्टिंग की वजह से काफी पसंद किया गया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।